RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः23 , शनिवार, 07 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

ऑर्केस्ट्रा की आड़ में नाबालिग लड़कियों से कराया जा रहा था काम, छापेमारी में तीन गिरफ्तार 03

5000 से अधिक बेटियों को मार्शल आर्ट सिखा चुके हैं कोच मुकेश 04

फिल्म डकैत का पहला गाना रुबरु जारी आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर.. 07

यूपीएससी सिविल सर्विस 2025 का फाइनल रिजल्ट जारी

- राजस्थान के अनुज अग्निहोत्री टॉपर, 958 कैंडीडेट्स क्वालिफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी ने सिविल सर्विस एग्जाम 2025 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। राजस्थान के कोटा के अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया टॉप किया है। 958 कैंडीडेट्स अलग-अलग सर्विसेज के लिए क्वालिफाई हुए हैं। जारी रिजल्ट में कुल 180 कैंडीडेट्स आईएएस के लिए चयनित हुए हैं। यूपीएससी सिविल सर्विस 2026 प्रीलिम्स परीक्षा 25 मई 2025 को आयोजित की गई थी। इसके बाद मेन्स एग्जाम 22 अगस्त से 31 अगस्त 2025 तक आयोजित किया गया। चयनित उम्मीदवारों के लिए पर्सनैलिटी टेस्ट या इंटरव्यू, 27 फरवरी 2026 को खत्म हुए थे। भारत सरकार ने कैडर अलॉटमेंट के लिए 2017 से चली आ रही जोन सिस्टम की व्यवस्था को खत्म कर दिया है। इसकी जगह नई कैडर एलोकेशन पॉलिसी 2026 लागू कर दी गई है। इसके तहत अब साइकिल सिस्टम के जरिए अफसरों के कैडर का बंटवारा होगा। ये पॉलिसी इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस, इंडियन पुलिस सर्विस और इंडियन फॉरेस्ट सर्विस के लिए चयनित उम्मीदवारों पर लागू होगी। यूपीएससी ने अब तक सभी स्टेट और यूटी के कुल 25 कैडर बनाए थे। इन्हें जियोग्राफिकली 5 जोन में बांटा गया था- नॉर्थ, वेस्ट, साउथ, सेंट्रल और ईस्ट। मेन्स क्लियर करने के बाद कैंडीडेट्स फॉर्म भरते थे।

रूस से कच्चा तेल खरीद सकेगा भारत

- ईरान जंग के कारण अमेरिका ने 3 अप्रैल तक रियायत दी, पेट्रोल-डीजल महंगा नहीं होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का संकट फिलहाल खत्म हो गया है, क्योंकि भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ये लाइसेंस 3 अप्रैल तक वैलिड रहेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने 6 मार्च

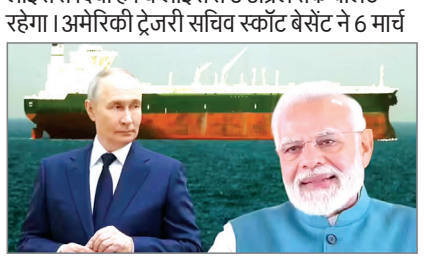

को बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। **अमेरिका से भी तेल खरीद बढ़ने की उम्मीद-** बेसेंट ने कहा कि ईरान ग्लोबल एनर्जी मार्केट को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है। इस दबाव को कम करने के लिए हम भारत को यह 30 दिनों की छूट दे रहे हैं। उन्होंने कहा- हमें ये उम्मीद है कि इसके बाद भारत अमेरिकी तेल की खरीद में तेजी लाएगा। अमेरिका का मानना है इस उपाय से ग्लोबल मार्केट में तेल की कमी नहीं होगी।

भारत में रसोई गैस इमरजेंसी लागू, बढ़ सकती है किल्लत

- सरकार ने सभी तेल कंपनियों को प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश दिया
- ईरान-इजराइल जंग बढ़ी तो बढ़ेगा संकट, 40 फीसदी सप्लाई घटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजराइल जंग अगर बढ़ी तो भारत में रसोई गैस की किल्लत भी बढ़ेगी। इस स्थिति को देखते हुए सरकार ने इमरजेंसी पावर का यूज करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी का उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सप्लाई चेन में रुकावट की वजह से गैस की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने गुरुवार देर रात आदेश जारी किया। इस आदेश में कहा गया है कि अब रिफाइनरी कंपनियां अपने पास मौजूद प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करेंगी। यानी इन गैसों का उपयोग किसी और काम में नहीं किया जाएगा।

- **कतर में गैस उत्पादन बंद, भारत में सप्लाई घटी-** मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिडिल-ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण भारत में सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) और पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। ईरान के ड्रोन हमले के बाद भारत को गैस सप्लाई करने वाला सबसे बड़ा देश कतर अपने लिक्विफाइड नेचुरल गैस प्लांट का प्रोडक्शन रोक चुका है। इससे भारत आने वाले जहाजों की आवाजाही रुक गई है और घरेलू बाजार में गैस की सप्लाई में 40 फीसदी तक की बड़ी कटौती की गई है।

सरकारी कंपनियों को मिलेगी प्राथमिकता

आदेश के मुताबिक, सभी कंपनियों को प्रोपेन और ब्यूटेन की सप्लाई सरकारी तेल कंपनियों- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम को करनी होगी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश के लगभग 33.2 करोड़ एक्टिव एलपीजी कंज्यूमर्स यानी उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट के गैस सिलेंडर मिलते रहें। सरकार के इस फैसले का सीधा असर प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों, खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज पर पड़ सकता है। प्रोपेन और ब्यूटेन का डायवर्जन होने से अल्काइलेट्स के प्रोडक्शन में कमी आएगी, जिसका इस्तेमाल पेट्रोल की ग्रेडिंग सुधारने में किया जाता है। पिछले साल रिलायंस ने हर महीने एवरेज चार अल्काइलेट्स कार्गो एक्सपोर्ट किए थे। इसके अलावा सरकार ने रिफाइनर्स को यह भी साफ कर दिया है कि वे फिलहाल पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन के लिए इन गैसों का इस्तेमाल न करें। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और ट्रेड सोर्सेज का कहना है कि प्रोपेन और ब्यूटेन को पेट्रोकेमिकल के बजाय एलपीजी बनाने में इस्तेमाल करने से कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ेगा। दरअसल, पॉलीप्रोपाइलीन और अल्काइलेट्स जैसे पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स बाजार में एलपीजी के मुकाबले बेहतर कीमत पर बिकते हैं। ऐसे में सरकार के इस आदेश से पेट्रोकेमिकल कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ सकता है।

ईरान के शिराज शहर पर भीषण हमला, 20 की मौत

- ईरान ने भी इजराइल और अमेरिका का ड्रोन गिराया
- फारस की खाड़ी में, 52 फ्रांसीसी जहाज फंसे

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का शुक्रवार को सातवां दिन था। इजराइल और अमेरिका ने आज ईरान के शिराज शहर पर हमला किया। ईरानी मीडिया के मुताबिक इस हमले में 20 लोगों की मौत हो गई और 30 घायल हो गए। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक यह हमला शहर के जीबाशहर इलाके के रिहायशी क्षेत्र में हुआ, जिसमें कई आम लोग मारे गए। इस हमले में दो मेडिकल कर्मचारियों की भी मौत हो गई। वहीं ईरानी सेना ने लोरेस्तान इलाके में अमेरिका का एमक्यू-9 ड्रोन और इजराइल का आईजे-900 ड्रोन को मार गिराया है। जंग की वजह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के रास्ते भी प्रभावित हैं।

- **ईरान के हमले में यूएई-जॉर्डन को भारी नुकसान-** मिडिल ईस्ट में टेंशन लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान के हमले से संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन को भारी नुकसान हुआ है। ईरान ने इन देशों के रडार सिस्टम को तबाह कर दिया है, जो कि अमेरिका के बनाए हुए थे। अरब पेनिनसुला के मिलिट्री बेस से मिली नई सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि ईरान, मिसाइलों और ड्रोन का पता लगाने वाले यूएस-मेड रडार को खत्म करके एयर डिफेंस को कमजोर कर रहा है।

अमेरिकी सैनिकों के लिए दलदल बन जाएगा ईरान

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका और इजरायल के लगातार हमलों के बावजूद ईरान ने अपने तेवर नरम नहीं किए हैं। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के जमीनी हमले के

लिए तैयार है। अराघची की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब कहा जा रहा है कि अमेरिका और इजरायल ईरान में जमीनी अभियान के लिए सैनिक उतारने की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिकी ब्रॉडकास्टर के साथ एक इंटरव्यू में ईरानी विदेश मंत्री ने अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार कर दिया। अराघची इस इंटरव्यू के लिए तेहरान से वीडियो के जरिए जुड़े थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान ने सीजफायर के लिए नहीं कहा है। ईरानी विदेश मंत्री से जब पूछा गया कि क्या उन्हें अमेरिका के जमीनी हमले का डर है, तो उन्होंने कहा, नहीं, हम उनका इंतजार कर रहे हैं।

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन

कर्नाटक सरकार का बड़ा फैसला, सीएम सिद्धा ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आज शुक्रवार को राज्य में मोबाइल इस्तेमाल के बुरे असर पर को कम करने के लिए एक बड़ा एलान किया है। मुख्यमंत्री ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया एक्सेस पर बैन लगाने की बात कही है। सीएम सिद्धारमैया ने फाइनेंशियल ईयर 2026-27 के लिए 4.48 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इस बजट में टेक्नोलॉजी से चलने वाली लर्निंग पहलों को रेगुलेटरी उपायों के साथ मिलाकर सुधारों का ऐलान किया गया है, ताकि बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा दी जा सके। सीएम सिद्धारमैया ने राज्य में 16 साल के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने की बात कही है। राज्य में जब यह नियम लागू होगा, तब कर्नाटक बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। सिद्धारमैया ने कहा, बच्चों पर बढ़ते मोबाइल इस्तेमाल के बुरे असर को रोकने के लिए 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल बैन कर दिया जाएगा। सीएम सिद्धारमैया ने स्टूडेंट्स के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-बेस्ड लर्निंग सिस्टम का प्रस्ताव रखा। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार क्लास 8 से 12 तक के स्टूडेंट्स को सपोर्ट करने के लिए इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी धारवाड़ के साथ मिलकर बनाया गया एक पर्सनलाइज्ड डिजिटल ट्यूटरिंग सिस्टम शुरू करेगी। इस प्रोग्राम से लगभग 1.22 मिलियन स्टूडेंट्स को फायदा होने की उम्मीद है और इसे 5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से लागू किया जाएगा।

भारतीय वायुसेना का ताकतवर विमान एसयू-30 क्रैश

जोरहाट से भरी थी उड़ान, फिर रडार से हो गया गायब

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना का एक सुखोई एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमान गुरुवार रात असम के कार्बी आंगलोंग जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। यह विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन (ट्रेनिंग मिशन) पर था। वायुसेना के अनुसार, विमान ने असम के जोरहाट से उड़ान भरी थी और शाम करीब 7.42 बजे इसका रडार और ग्राउंड कंट्रोल से संपर्क टूट गया था। भारतीय वायुसेना द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, यह विमान जोरहाट से लगभग 60 किलोमीटर दूर कार्बी आंगलोंग इलाके में दुर्घटना का शिकार हुआ है। वायुसेना ने अपने शुरुआती बयान में कहा था कि विमान तय समय पर वापस नहीं लौटा है। घटना का संज्ञान लेते हुए तुरंत सर्च एंड रेस्क्यू मिशन यानी खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है और फिलहाल इलाके में युद्धस्तर पर तलाश जारी है। विस्तृत जानकारी का अभी इंतजार है।

सुखोई एसयू-30 एमकेआई सिर्फ एक लड़ाकू विमान नहीं है, बल्कि पिछले दो दशकों से यह भारतीय वायुसेना की रीढ़ और भारत की हवाई ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक बना हुआ है।

सुखोई के बिना आधुनिक भारतीय वायुसेना की कल्पना भी नहीं की जा सकती। 90 के दशक के मध्य में भारतीय वायुसेना को एक ऐसे भारी और लंबी दूरी के लड़ाकू विमान की तलाश थी, जो एयर सुपीरियरिटी (हवाई वर्चस्व) स्थापित कर सके। 30 नवंबर 1996 को भारत ने रूस के साथ 50 सुखोई-30 विमानों की खरीद के लिए 1.46 अरब डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए। भारत केवल साधारण सुखोई नहीं चाहता था, बल्कि उसे अपनी जरूरतों के हिसाब से एक उन्नत विमान चाहिए था। यहीं से एसयू-30 एमकेआई का जन्म हुआ। एसयू का रूसी भाषा में अलग ही मतलब है।

छठी पीढ़ी के फाइटर जेट बनाने की तैयारी में भारत!

बड़ा है प्लान, अभी अमेरिका और चीन के पास भी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत छठी पीढ़ी के फाइटर जेट विकसित करने के लिए बहुत बड़ी रणनीतिक योजना पर काम शुरू कर सकता है। इसके तहत यूरोप के फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम प्रोग्राम में शामिल होने की बात है। रिपोर्ट है कि भारत इस कार्यक्रम के तहत फ्रांस और जर्मनी के साथ साझेदारी करने की तैयारी में है। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के स्तर पर हाल ही में छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान पर पहल किए जाने के संकेत मिल चुके हैं। इस दौरान डिफेंस डॉट इन की एक रिपोर्ट के अनुसार रक्षा मंत्रालय ने छठी पीढ़ी के फाइटर जेट बनाने की योजना पर अपनी ओर से पहल शुरू कर दी है। भारतीय वायु सेना को अत्याधुनिक फाइटर जेट की बहुत ज्यादा

आवश्यकता है। भारत में पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट बनाने पर पहले से ही काम चल रहा है। लेकिन, इसके साथ-साथ छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने की योजना पर भी चर्चा शुरू की गई है।

इस समय अमेरिका और चीन की ओर से छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने पर काम चल रहा है। लेकिन, किसी ने भी इसे बना लेने का दावा नहीं किया है। इसी तरह के मिशन पर जर्मनी और फ्रांस भी लगे हैं, लेकिन यूरोप में मौजूदा अस्थिरता की वजह से इसका विकास फंसा हुआ है और यही भारत के लिए अवसर बनकर उभरा है।

फ्रांस-जर्मनी को भारत में दिख रही संभावना

फ्रांस और जर्मनी की योजना के तहत पहले फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम बनाने का टारगेट 2026 की शुरुआत में ही था। लेकिन, दिक्कत ये रही कि फ्रांस को परमाणु क्षमता वाले लड़ाकू विमान की चाहत है, वहीं जर्मनी यूरोपीय माहौल के लिए मॉड्यूलर इंटरसेप्टर चाहता है। ऐसे में यूरोप को भारत में संभावना दिख रही है। भारत ने फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन के साथ अच्छी पार्टनरशिप निभाई है और अब वह भारत में प्रोडक्शन पर भी काम कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार अगर भारत और यूरोप में छठी पीढ़ी के फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम बनाने पर सहमति बनी है।

छठी पीढ़ी की टेक्नोलॉजी पर भारत की तैयारी

भारत अभी पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के प्रोटोटाइप पर काम कर रहा है। भारत में छठी पीढ़ी के फाइटर जेट बनने की संभावना को लेकर पहली बार डीआरडीओ के एयरोनॉटिकल सिस्टम की डायरेक्टर जनरल के राजलक्ष्मी मेनन ने पिछले साल (सितंबर, 2025) सकारात्मक जानकारी दी थी। राजलक्ष्मी मेनन ने कहा था कि देश छठी पीढ़ी के फाइटर जेट बनाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने को तैयार है। फरवरी, 2025 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ के वैज्ञानिकों से कहा कि उन्हें छठी पीढ़ी के जेट बनाने पर भी काम शुरू कर देना चाहिए।

जदयू कार्यालय में पीएम मोदी के पोस्टर पर कालिख पोती

नीतिश कुमार के राज्यसभा जाने का विरोध हुआ तेज

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले का उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड में विरोध तेज हो गया है। पटना स्थित जदयू के प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जमा हो गए और नीतीश के समर्थन में नारेबाजी करने लगे। जदयू कार्यालय में लगे पोस्टर में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर कालिख भी पोत दी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने नीतीश से राज्यसभा जाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की है। शुक्रवार सुबह से पटना में जदयू कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगना शुरू हो गया। जदयू कार्यालय के बाहर कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए और बैनर लगाकर नारेबाजी करने लगे। पार्टी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यह बिहार के जनादेश का अपमान है। बिहार की जनता ने नीतिश कुमार के नाम पर वोट दिया था। उनके चेहरे पर

बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ा गया था। इसलिए मुख्यमंत्री पद के लिए वही पात्र हैं। जदयू कार्यकर्ताओं ने जदयू अध्यक्ष एवं सीएम नीतिश कुमार से राज्यसभा जाने का फैसला वापस लेने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

अनुष्का यादव की बेटी 'उज्जैनी' एक महीने की हुई, भाई आकाश यादव ने किया हवन-पूजन

पटना। अनुष्का यादव की बेटी एक महीने की हो गई है। इस मौके पर उनके भाई आकाश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि ,'बाबा महाकाल, माँ हरसिद्धि और माँ गढ़कालिका की असीम कृपा से आज उज्जैनी ने अपना एक महीना पूरा किया। इस शुभ अवसर पर हमने परिवार के साथ मिलकर देवी-देवताओं का विशेष पूजन और हवन किया। हमारी उज्जैनी को आशीर्वाद देने के लिए आप सभी का धन्यवाद।' इससे पहले भी आकाश यादव ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें उन्होंने एक नवजात बच्ची का हाथ अपनी उंगलियों से पकड़ा हुआ था। उस पोस्ट को लेकर भी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई थी। 5 फरवरी को अनुष्का यादव को बेटी हुई। 9 फरवरी को चर्चा होने लगी कि बच्ची के पिता तेजप्रताप यादव हैं। खबर सामने आते ही तेजप्रताप यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अनुष्का की बेटी का पिता होने से इनकार कर दिया। उन्होंने इस खबर को झूठा बताते हुए कहा कि अनुष्का से उनका कोई संबंध नहीं है। तेजप्रताप यादव ने आकाश भाटी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, 'बच्चा आकाश भाटी का है।' इधर, इस मामले में अनुष्का यादव के भाई आकाश यादव पहली बार सामने आए हैं। आकाश यादव ने कहा है, हमारे घर में लक्ष्मी आई है। उसका नाम मैंने उज्जैनी रखा है, ये हमारे लिए खुशी की बात है। आकाश यादव ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, "आज तक मैंने परिवार की बात सार्वजनिक मंच पर नहीं रखी है और ना आगे रखूंगा। ये मामला अनुष्का यादव और तेज प्रताप यादव के बीच का है। इन दो लोगों के मामले में मैं कौन होता हूं बोलने वाला।"

वरिष्ठ भाजपा नेता नंदकिशोर यादव को राज्यपाल बनाए जाने पर सम्राट चौधरी ने दी बधाई

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वरिष्ठ भाजपा नेता नंदकिशोर यादव को नागालैंड का राज्यपाल बनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। शुक्रवार को उन्होंने नंदकिशोर यादव से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि नंदकिशोर यादव का लंबा सार्वजनिक जीवन, संगठन के प्रति समर्पण और प्रशासनिक अनुभव राज्यपाल के रूप में उनके दायित्वों को नई गरिमा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने से पार्टी कार्यकर्ताओं और बिहार के लोगों में भी गर्व की भावना है। चौधरी ने इस अवसर पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहार के एक अनुभवी और समर्पित नेता को यह सम्मान देकर पार्टी ने उनके योगदान को मान्यता दी है। उपमुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि नंदकिशोर यादव के मार्गदर्शन में नागालैंड प्रगति, सुशासन और विकास की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि यादव की नेतृत्व क्षमता, प्रशासनिक दक्षता और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता राज्य के विकास, शांति और समृद्धि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि नंदकिशोर यादव का राजनीतिक जीवन अत्यंत लंबा और समृद्ध रहा है। वे सात बार विधायक रह चुके हैं और बिहार सरकार में मंत्री के साथ-साथ बिहार विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन और सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए नंदकिशोर यादव ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके लंबे अनुभव, सादगीपूर्ण व्यक्तित्व और प्रशासनिक समझ से नागालैंड को निश्चित रूप से नई दिशा और गति मिलेगी। उपमुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि नंदकिशोर यादव अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता के बल पर नागालैंड में विकास, सुशासन और सामाजिक समरसता को और मजबूत करेंगे।

वैशाली में चूल्हे की चिंगारी से भीषण आग, लालगंज के लक्ष्मीनारायणपुर में आधा दर्जन घर जले

हाजीपुर। वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र में भीषण आग लगने से आधा दर्जन घर जलकर राख हो गए। इस घटना में लाखों रुपये का अनाज, कपड़े, बिस्तर, सोने-चांदी के जेवरात और नगदी नष्ट हो गए। कई परिवार बेघर हो गए हैं और खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। यह घटना लालगंज थाना क्षेत्र के लक्ष्मीनारायणपुर पंचायत के वार्ड नंबर 6 में हुई। जानकारी के अनुसार, सुबह लालति देवी अपने घर में खाना बना रही थीं और पानी लेने चापाकल पर गई थीं। इसी दौरान चूल्हे से निकली चिंगारी फूस की बनी टाटी में जा लगी, जिससे आग तेजी से फैल गई। आग की लपटें उठती देख लालति देवी ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग आग बुझाने में जुट गए। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैली और कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। अग्निशमन की टीम सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। पीड़ित परिवार पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। आग लगने के बाद उनके पास रहने और खाने की व्यवस्था नहीं बची है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सामग्री और मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, नौवीं कक्षा में पढ़ता था, दूसरा भाई गंभीर

हाजीपुर। वैशाली के सदर थाना क्षेत्र स्थित दिग्घी कला पूर्वी गांव में बुधवार शाम एक अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से 14 वर्षीय आयुष कुमार की गुरुवार सुबह पटना पीएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरा घायल युवक आर्यन कुमार एक निजी अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है। यह घटना बुधवार शाम करीब 3 बजे हुई थी। मृतक आयुष कुमार रविंद्र दास के पुत्र थे और नौवीं कक्षा में पढ़ते थे। वह अपने चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर थे। घायल आर्यन कुमार आयुष का भाई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायल युवकों को तुरंत हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया था। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया था। आयुष कुमार ने गुरुवार सुबह पीएमसीएच में दम तोड़ दिया। वहीं, आर्यन कुमार का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। मृतक आयुष के चाचा शिव शंकर दास ने बताया कि उन्हें बुधवार शाम को ही अज्ञात वाहन की टक्कर लगने की जानकारी मिली थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जब घायलों को सदर अस्पताल लाया गया, तो कुछ देर के लिए इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर मौजूद नहीं थे, जिससे उनकी स्थिति और बिगड़ गई।

प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए उमेश कुशवाहा ने नामांकन किया

मुख्यमंत्री के राज्यसभा जाने की घोषणा और नामांकन के बाद जदयू के अंदर गतिविधियां तेज

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की घोषणा और नामांकन के बाद शुक्रवार को जदयू के अंदर गतिविधियां तेज हो गयी है। आज शाम को नीतीश कुमार सांसद, विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करने वाले है। इससे पूर्व पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर कवायद शुरू हुई है। शुक्रवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए उमेश कुशवाहा ने नामांकन दाखिल किया। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन की अंतिम तिथि शुक्रवार थी।

उमेश कुशवाहा के नामांकन में कई वरिष्ठ नेताओं ने प्रस्तावक की भूमिका निभाई। इनमें सांसद रामनाथ ठाकुर, बिहार सरकार की मंत्री लेसी सिंह, मंत्री श्रवण कुमार सहित पार्टी के कई विधायक शामिल रहे। पार्टी नेताओं से मिल रही जानकारी के मुताबिक अब तक किसी अन्य नेता ने इस पद के लिए नामांकन नहीं किया है। ऐसे में उमेश कुशवाहा का तीसरी बार निर्विरोध जदयू प्रदेश अध्यक्ष चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है।

नामांकन के बाद उमेश कुशवाहा ने कहा कि शुक्रवार शाम 5 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में जदयू विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस बैठक में मुख्यमंत्री मौजूदा राजनीतिक हालात को लेकर पार्टी विधायकों से चर्चा करेंगे और अपनी बात रखेंगे।

मौके पर मौजूद बिहार सरकार की मंत्री लेसी सिंह ने आज शाम होने वाली पार्टी की इस बैठक को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आवास पर शाम 5 बजे होने वाली बैठक में जदयू के सभी विधायक शामिल होंगे। लेसी सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति कार्यकर्ताओं का भावुक होना स्वाभाविक है, क्योंकि पिछले करीब 20 वर्षों में उन्होंने राज्य के विकास के लिए काम किया है और पार्टी के हर कार्यकर्ता ने उनका साथ दिया है।

बिहार की राजनीति के लिए ऐतिहासिक और गौरव का समयः प्रेम रंजन पटेल

एजेंसी, पटना

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक प्रेम रंजन पटेल ने बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री नितीश कुमार का राज्यसभा के लिए नामांकन कर केंद्र की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने का निर्णय, बिहार की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत करने के साथ राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों को भी नई गति प्रदान करेगा। उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव और संतुलित नेतृत्व का लाभ अब राष्ट्रीय नीति निर्माण में होगा, जिससे बिहार के हितों को और अधिक मजबूती से रखा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि बिहार के ऊर्जावान युवा नेता नितिन नवीन का भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना और राज्यसभा में नामांकन के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनना पूरे बिहार के लिए गौरव का विषय है। युवा नेतृत्व, संगठनात्मक क्षमता और राजनीतिक अनुभव के साथ वे राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को नई दिशा देने के साथ-साथ बिहार की जन आकांक्षाओं को मजबूती प्रदान करेंगे।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय, अनुभवी और लोकप्रिय नेता नंद किशोर यादव को राज्यपाल के महत्वपूर्ण दायित्व से सम्मानित किया जाना भी बिहार के लिए गर्व का विषय है। अपने लंबे राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव के कारण वे संवैधानिक पद की गरिमा को और अधिक सुदृढ़ करेंगे तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह बिहार के लिए अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक स्थिति है कि राज्य से जुड़े अनुभवी, दूरदर्शी और समर्पित नेता राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी भूमिका निभा रहे हैं। इससे न केवल बिहार की राजनीतिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी बल्कि विकास, आधारभूत संरचना, उद्योग, शिक्षा और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में राज्य को अधिक अवसर और सहयोग प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि बिहार ने हमेशा देश को सशक्त नेतृत्व देने की परंपरा निभाई है। आज भी राज्य के ये सम्मानित नेता राष्ट्रीय मंच पर अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए बिहार के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

सैयद अता हसनैन को बिहार और नंदकिशोर यादव को नागालैंड का राज्यपाल बनाए जाने पर बधाई

एजेंसी, पटना

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन को बिहार का नया राज्यपाल नियुक्त किए जाने और बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष नंदकिशोर यादर को नागालैंड का राज्यपाल बनाए जाने पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। संजय सरावगी ने कहा कि सैयद अता हसनैन भारतीय सेना के वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी रहे हैं। उन्होंने अपने लगभग 40 वर्षों के सैन्य करियर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में उनकी भूमिका को बेहद अहम माना जाता है। उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में उनकी रणनीति और नेतृत्व की काफी सराहना हुई है। कहा कि सेना में उनका करियर उत्कृष्ट नेतृत्व, रणनीतिक सोच और राष्ट्रसेवा के लिए जाना जाता है। सेवानिवृत्ति के बाद भी सैयद अता हसनैन सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे और वर्ष 2018 में उन्हें कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय का कुलाधिपति बनाया गया, जहां उन्होंने अपनी जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभाईं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सैयद अता हसनैन का प्रशासनिक अनुभव और जनसेवा की भावना बिहार के लिए लाभकारी साबित होगी। उनके दूरदर्शी नेतृत्व से राज्य को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने ईश्वर से उनके सफल और उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। संजय सरावगी ने साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव को नागालैंड का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर भी बधाई दी। उन्होंने इस निर्णय के लिए केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नेतृत्व ने "बिहार की मिट्टी के लाल" और बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष को उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव के आधार पर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

राघव झुनझुनवाला ने यूपीएससी में हासिल की अखिल भारतीय चौथी रैंक, शहर में खुशी की लहर

एजेंसी, पटना

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के प्रतिभाशाली युवक राघव झुनझुनवाला ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर चौथी रैंक हासिल कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे बिहार का नाम रोशन किया है। राघव की इस ऐतिहासिक सफलता से उनके पैतृक शहर मुजफ्फरपुर में उत्साह और गर्व का माहौल है। जैसे ही परिणाम घोषित हुआ, शहर में उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया।

मुजफ्फरपुर से दिल्ली तक का सफरः राघव झुनझुनवाला मुजफ्फरपुर शहर के सरैयागंज इलाके के निवासी हैं। उनकी शुरुआती शिक्षा मुजफ्फरपुर के प्रतिष्ठित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) से हुई। बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहे राघव ने स्कूली दिनों से ही अपनी प्रतिभा का परिचय देना शुरू कर दिया था। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली का रुख किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। कॉमर्स पृष्ठभूमि से आने के बावजूद राघव ने देश की सबसे कठिन मानी जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर यह साबित कर दिया कि दृढ़ निश्चय और कड़ी मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

परिवार का मिला पूरा सहयोगः राघव के पिता विदेश में कार्यरत हैं, जबकि उनका परिवार लंबे समय से मुजफ्फरपुर और दिल्ली के बीच जुड़ा रहा है। उनकी इस सफलता के पीछे परिवार का लगातार सहयोग और मार्गदर्शन रहा है। परिणाम घोषित होने के बाद सरैयागंज स्थित उनके घर पर स्थानीय लोग, मित्र और रिश्तेदार उन्हें बधाई देने के लिए पहुंचने लगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि राघव की उपलब्धि से शहर के युवाओं को नई प्रेरणा मिलेगी और वे भी बड़े सपने देखने तथा उन्हें पूरा करने के लिए आगे बढ़ेंगे।

सफलता का मंत्रः निरंतरता और धैर्यः राघव झुनझुनवाला का मानना है कि यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी में निरंतरता, अनुशासन और धैर्य बेहद जरूरी होते हैं। उन्होंने बताया कि कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य पर ध्यान बनाए रखना ही उनकी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी रही। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो छोटे शहरों से निकलकर भी देश की सबसे बड़ी परीक्षाओं में सफलता हासिल की जा सकती है।

शहर और प्रशासन ने दी बधाईः राघव की उपलब्धि पर मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी उन्हें बधाई दी है। अधिकारियों ने कहा कि राघव ने जिले और पूरे बिहार का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिहार की धरती हमेशा से ही प्रशासनिक सेवा में उत्कृष्ट अधिकारियों को जन्म देती रही है। और अब राघव झुनझुनवाला ने इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एक नई मिसाल कायम की है। अब वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होकर देश और समाज की सेवा करने के लिए तैयार हैं। उनकी इस उपलब्धि से पूरा मुजफ्फरपुर गर्व और खुशी से भर उठा है।

पटना के पुनडीह में 'बसियौरा' मेले का आयोजन, निकली माता सती की पालकी

एजेंसी, पटना

पटना के पुनडीह गांव में पारंपरिक 'बसियौरा' मेले का आयोजन किया गया। होली के समापन के बाद आयोजित होने वाला यह प्राचीन मेला गुरुवार देर रात पारंपरिक लोक संगीत और भजनों से शुरू हुआ। अगले दिन यानी आज शुक्रवार सुबह पुनडीह से एक विशाल जुलूस निकाला गया। इसमें हाथी, घोड़े और बैंड-बाजे शामिल थे। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण सजे हुए रथ पर विराजमान माता सती की प्रतिमा और कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सती की झांकी रही। इसे देखने के लिए गुलमहियाचक और आलमपुर सहित आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

होली के दूसरे दिन विधि-विधान से होती है पूजाः पुनडीह पंचायत के मुखिया मनोज यादव ने मेले के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया किस यह परंपरा सदियों पुरानी है। लोक मान्यताओं के अनुसार, प्राचीन काल में होली के अगले दिन एक नवविवाहिता के पति का निधन हो गया था, जिसके बाद वह महिला अपने पति की चिता पर सती हो गई थी। उस घटना के कुछ समय बाद क्षेत्र में भीषण महामारी फैल गई थी। ग्रामीणों ने तब माता सती का मंदिर बनवाकर उनकी प्रतिमा स्थापित की और विशेष पूजा-अर्चना शुरू की, जिससे महामारी का प्रकोप शांत हुआ। तभी से हर साल होली के दूसरे दिन तांत्रिक विधि-विधान और पूर्ण मंत्रोच्चार के साथ यहां विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं।

माता सती को डोली पर बैठाकर कराया नगर भ्रमणः परंपरा के अनुसार, विशेष पूजा के बाद सती स्वरूप कन्या को डोली पर बैठाकर पूरे क्षेत्र का भ्रमण कराया गया। ग्रामीण होली के पारंपरिक गीत और भजन गाते हुए कच्ची दरगाह मार्ग से सबलपुर घाट पहुंचे। यहां सती की प्रतिमा के विसर्जन के साथ इस वर्ष के आयोजन का समापन हुआ। स्थानीय निवासियों का मानना है कि यदि इस पूजा में कोई बाधा आती है, तो गांव पर विपत्ति आ सकती है। यही कारण है कि पीढ़ी दर पीढ़ी इस परंपरा का पूरी निष्ठा से पालन किया जा रहा है।

होली बाद यात्रियों की भीड़, पटना-दानापुर पर होल्डिंग एरिया, 9 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

एजेंसी, पटना

होली के बाद घर लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए दानापुर रेल मंडल ने विशेष तैयारी की है। भीड़ प्रबंधन और यात्रियों की सुविधा के लिए पटना और दानापुर स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाया गया है। गुरुवार को दानापुर मंडल से नियमित ट्रेनों के अलावा 9 फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, होली के बाद लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। साथ ही, स्टेशनों और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई है ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नई दिल्ली के लिए चलाई जा रही स्पेशल ट्रेनेंः दानापुर मंडल से गुरुवार को पटना से राजगीर, पुरी और नई दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। दानापुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई), पुणे, एसएमवीटी बेंगलुरु और चर्लपल्ली के लिए भी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। चर्लपल्ली के लिए दो ट्रेनें चल रही हैं। स्थानीय यात्रियों के लिए पटना और राजगीर के बीच भी एक फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन संचालित हो रही है।

सीसीटीवी कैमरों से चौबीसों घंटे निगरानीः यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) की अतिरिक्त तैनाती की गई है। कुछ स्टेशनों पर डॉग स्क्वायड की भी मदद ली जा रही है। सीसीटीवी कैमरों के जरिए चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

दोनों स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए गएः भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पटना स्टेशन के महावीर मंदिर साइड और दानापुर स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। यहां यात्रियों को ट्रेन आने से पहले व्यवस्थित रखा जाएगा, ताकि ट्रेनों में चढ़ने के दौरान अफरा-तफरी न हो। इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष तैनाती की गई है।

सीसीटीवी कैमरों से चौबीसों घंटे निगरानी

पटना जू में बर्ड फ्लू का सैंपल आया नेगेटिव, 7 मार्च तक रहेगा बंद

एजेंसी, पटना

पटना जू बर्ड फ्लू के खतरे को देखते हुए 7 मार्च तक बंद है। चिड़ियाघर के पक्षियों के सैंपल को भोपाल भेजा गया था और जांच में बर्ड फ्लू नहीं पाया गया है। फिर भी पटना जू काफी एहतियात बरत रही है। जानवरों और पक्षियों के केज के आसपास दो बार केमिकल्स का छिड़काव किया जा रहा है। जानवरों को चिकन की जगह गिनी पिग, चूहा और मटन दिया जा रहा है। वहीं, मोर को अंडे की जगह लहसुन और पालक साग खाने में दिया जा रहा है। खासकर ऑस्ट्रिच और इमु को जू एरिया में उगाए गए खीरे दिए जा रहे हैं, बाहर से कुछ भी नहीं मंगाया जा रहा है।

दूसरे में जाकर नहीं काम कर सकते कर्मचारीः बर्ड फ्लू को लेकर पटना जू के कर्मचारियों को खास निर्देश दिए गए हैं कि एक जानवर के केज में काम करने वाले कर्मी दूसरे जानवर के केज में काम नहीं करेंगे। खासकर पक्षी के बाड़े में काम करने वाले कर्मचारी उसी खास पक्षी की ही देखभाल करेंगे, ताकि किसी तरह का इन्फेक्शन ना फैले। सभी पक्षियों के केज में ग्रीन नेट लगाया गया है। उसके अंदर जो भी जाएगा अपने आप को पूरी तरह से गाइडलाइंस के अनुसार तैयार करके जाएगा। सभी कर्मियों को मास्क उपलब्ध कराया गया है। बाड़ों से बाहर निकलने के बाद कर्मियों को खुद को सैनिटाइज करने के निर्देश दिए गए हैं। पक्षियों के स्वास्थ्य की 24 घंटे निगरानी हो रही है।

रिपोर्ट में एवियन इन्फ्लूएंजा निगेटिव आईः जू प्रशासन ने कहा कि भोपाल से सैंपल नेगेटिव आने के बाद हमारे लिए यह राहत की बात है। जांच सैंपल भोपाल स्थित राष्ट्रीय पशु चिकित्सा महामारी विज्ञान और रोग सूचना विज्ञान संस्थान की लैब में भेजा गया था। रिपोर्ट में एवियन इन्फ्लूएंजा निगेटिव आई है। सेंट्रल जू अथॉरिटी के गाइडलाइंस के अनुसार, बर्ड फ्लू के सैंपल पाए जाने के कारण 1 किलोमीटर वाले एरिया में सभी चीजों को बंद करने का निर्देश दिया गया था। कौशल नगर के एक पॉल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद चिड़ियाघर को बंद किया गया है।

ऑस्ट्रिच-इमु को खाने में दे रहे खीरा

7 मार्च तक पटना जू दर्शकों के लिए बंदः संजय गांधी जैविक उद्यान (पटना जू) को एक सप्ताह के लिए 7 मार्च तक बंद कर दिया गया है। बर्ड फ्लू के एहतियातन यह फैसला लिया गया है। पीसी कॉलोनी, कंकड़बाग के जू-सेक्टर पार्क और पटना हाईकोर्ट परिसर में कौवों और मुर्गियों की अचानक मौत के बाद H5N1 बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। H5N1 बर्ड फ्लू को कोरोना से भी खतरनाक माना जाता है। इसका जानवरों से इंसानों में फैलने का ज्यादा खतरा रहता है। इधर ऐसे मामले सामने आने के सिविल सर्जन ने सभी अस्पतालों को हाईअलर्ट पर रखा है।

संक्षिप्त समाचार

सूखा नशा के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, 26 ग्राम गांजा बरामद; एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। सूखा नशा के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोटवा थाना क्षेत्र में पुलिस ने छापेमारी कर मादक पदार्थ के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। प्रशिक्षु सहायक पुलिस अधीक्षक मोतिहारी के नेतृत्व में डॉग स्क्वॉड की मदद से की गई कार्रवाई में कुल 26 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इस दौरान पुलिस ने दीपउरा, कोटवा निवासी भुवन राय (पिता- रामदेव राय) को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से दो विधि विरुद्ध बालकों को भी निरुद्ध किया है। पुलिस के अनुसार मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जिले में सूखा नशा और मादक पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

एलएनडी कॉलेज में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा प्रारंभ

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में सत्र 2024-28 के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम यूजी सीबीसीएस में थर्ड सेमेस्टर के मिड सेमेस्टर परीक्षा शुक्रवार को शांतिपूर्वक माहौल में आरम्भ हुई। प्राचार्य प्रो.(डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि सभी विभागों के सभी विद्यार्थियों के विभिन्न कोर्स की आंतरिक लिखित परीक्षाएं परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 6 और 7 मार्च को सभी मेजर विषयों, 9 मार्च को एमआईसी,10 मार्च को एमडीसी,11 मार्च को एईसी,12 मार्च को एसईसी चार चार पालियों में ली जाएगी। इस परीक्षा में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को क्रेडिट का नुक़सान हो सकता है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. दुर्गेश मणि तिवारी के अनुसार 6 मार्च को भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान, गणित, इतिहास, मनोविज्ञान विषयों की परीक्षा होगी। वहीं 7 मार्च को अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, ऊर्दू, भूगोल की परीक्षा होगी। परीक्षा नियंत्रक के अनुसार अधिक परीक्षार्थी होने के कारण यह परीक्षा संबंधित विभागाध्यक्ष के नियंत्रण तथा परीक्षा विभाग के समन्वय में ली जाएगी। मिड सेमेस्टर की परीक्षा में परिचय पत्र, तृतीय सेमेस्टर का नामांकन रिसीप्ट एवं आधार कार्ड की हार्ड कॉपी लाना अनिवार्य है अन्यथा बिना परिचय पत्र/नामांकन रिसीप्ट/आधार कार्ड के मिड सेमेस्टर की परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा कक्ष में एंड्रॉयड मोबाइल फोन, कीवर्ड फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लु टुथ, ईयर फोन, ईयर बड्स, इलेक्ट्रॉनिक पेन, पेजर आदि किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, गाइड्स, गेस पेपर, किताब, कॉपी, पालिथीन, बैग्स, मनी बैग्स, लेडीज पर्स, पेन बॉक्स, चिट पुर्जे जैसे अवांछित सामग्री ले जाना सर्वथा वर्जित है। पाए जाने की स्थिति में अवांछित सामग्री को जब्त कर परीक्षार्थी को निष्कासित करते हुए उन्हें नियमानुसार दंडित किया जाएगा।

सिकरहना नदी से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

बीएनएम @ सुगौली। थाना क्षेत्र के सुकुल पाकड़ पंचायत के बेलवतीया गांव के पास बहने वाली सिकरहना नदी से शुक्रवार को पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया। बताया जाता है कि ग्रामीणों ने नदी में शव को तैरता देख इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकालकर अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप, एफआईआर दर्ज

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की के लापता होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में लड़की की मां ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि उसकी पुत्री 4 मार्च की सुबह से ही घर से लापता है। काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका है। परिजनों के अनुसार एक मोबाइल नंबर से बार-बार फोन आ रहा था। जब उस नंबर पर कॉल किया गया तो किसी ने फोन नहीं उठाया। लड़की की मां ने आशंका जताई है कि आवेदन में दिए गए मोबाइल नंबर वाला व्यक्ति ही उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ लेकर भाग गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

दो युवकों की सड़क दुर्घटना में मौत

बीएनएम @ बगहा : बगहा पुलिस जिला अंतर्गत वाल्मीकिनगर-बगहा मुख्य सड़क पर गुरुवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। घटना वरदाहा मोड़ के समीप की है, जहाँ एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।मृतकों की पहचान लौकरिया थाना क्षेत्र के जरार गांव निवासी शंखपाल मुंडा (पिता सुरेश मुंडा) और घनश्याम मुंडा (पिता रामबृक्ष मुंडा) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बुधवार को वाल्मीकिनगर के भेड़िहारी कंपार्ट में अपने ससुर अनुपम मुंडा से मिलने आए थे। दिल दहला देने वाली बात यह है कि मृतक के चाचा गणेश मुंडा के अनुसार, गुरुवार को ही शंखपाल मुंडा की सगाई होने वाली थी।सगाई की खुशियों के बीच इस हादसे ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। घटना की सूचना मिलते ही वाल्मीकिनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम व आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, रफ्तार अधिक होने के कारण मोड़ पर संतुलन बिगड़ना हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

खराब चापाकलों की मरम्मति हेतु 27 चलंत मरम्मति दलों को डीएम ने किया रवाना

बीएनएम @ मोतिहारी

आगामी भीषण गर्मी की संभावना को ध्यान में रखते हुए पूर्वी चंपारण जिलान्तर्गत खराब पड़े चापाकलों की मरम्मति हेतु शुक्रवार को जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा चलंत चापाकल मरम्मति दल को सभी 27 प्रखंडों के लिए फ्लैग-ऑफ कर रवाना किया गया। सभी प्रखंडों में मरम्मति दल कार्यरत रहेगा, जिसके लिए रोस्टर तैयार कर कार्यालय आदेश निर्गत किया गया है। जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने कहा कि आगामी गर्मी के मौसम में पीक टाइम में भीषण गर्मी पड़ने की संभावना रहती है। साथ ही भू-गर्भ जल स्तर भी नीचे चला जाता है, जिससे पेयजल की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इन्हीं संभावित परिस्थितियों को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा अग्रिम तैयारी शुरू कर दी गई है, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो। शुक्रवार को कुल 27 चलंत चापाकल मरम्मति दलों को रवाना किया गया है, जो जिले के सभी 396 पंचायतों में घूम-घूमकर खराब चापाकलों को ठीक करेंगे। उन्होंने बताया कि पंचायतों के जनप्रतिनिधियों से भी खराब चापाकलों की सूची उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है, ताकि मरम्मति दल द्वारा उसे भी शीघ्र ठीक किया जा सके। आम जनता भी टोल-फ्री नंबर पर सूचना देकर खराब चापाकलों की जानकारी दे सकती है। प्राप्त सूचना के आधार पर खराब चापाकलों को तुरंत ठीक कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि पूरे जिले में पीएचईडी के अधीन चापाकलों की कुल संख्या 38,801 है। खराब चापाकलों का सर्वेक्षण कराया गया था, जिसके अनुसार मोतिहारी जिला अंतर्गत 4,463 खराब चापाकलों की मरम्मति का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है कि वे जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर खराब चापाकलों की सूची प्राप्त करें और उनकी मरम्मति सुनिश्चित कराएं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि जिले में एक भी चापाकल खराब न रहे। चापाकल मरम्मति दल द्वारा प्रखंडों के सभी पंचायतों में घूम-घूमकर खराब चापाकलों की मरम्मति की जाएगी। जिलाधिकारी के निर्देश पर चापाकल मरम्मति एवं पेयजल संकट के समाधान हेतु टोल-फ्री नंबर एवं जिला नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है, जिस पर संपर्क कर खराब चापाकलों की मरम्मति से संबंधित शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यह नियंत्रण कक्ष प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कार्यरत रहेगा। कोई भी व्यक्ति निम्नलिखित दूरभाष नंबरों पर पेयजल संकट से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं—टोल-फ्री नं. – 18001231121, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, मोतिहारी नियंत्रण कक्ष– 06252-233374, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, ढाका नियंत्रण कक्ष– 06250-296049. इस अवसर पर कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

नहीं रहे वयोवृद्ध राजद नेता बीरबहादुर यादव, शोक की लहर

बीएनएम @ मोतिहारी

हरसिद्धि प्रखंड के मुरारपुर पंचायत अंतर्गत बघयुत निवासी वयोवृद्ध राजद नेता व समाजसेवी बीरबहादुर यादव का निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और उनके आवास पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। स्व. यादव लंबे समय तक सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे। वे हरसिद्धि में राष्ट्रीय जनता दल के प्रखंड अध्यक्ष रह चुके थे। इसके अलावा मुरारपुर पंचायत के निर्विरोध सरपंच भी रहे तथा एक बार पंचायत के मुखिया पद की जिम्मेदारी भी संभाली थी। उनके निधन पर पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा, पूर्व विधायक मनोज यादव, पूर्व विधायक राजेंद्र राम, नागेंद्र राम, अवनीश यादव, संजय यादव, पिंटू यादव, तुरकौलिया जिला परिषद सदस्य आभा देवी, नवल किशोर प्रसाद, पिंटू कुमार यादव, हरसिद्धि युवा राजद प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार यादव सहित कई लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया। शोक व्यक्त करने वालों ने कहा कि बीरबहादुर यादव के निधन से समाज और क्षेत्र की राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है। उनकी सादगी, सामाजिक सरोकार और लोगों के प्रति समर्पण को हमेशा याद किया जाएगा।

ऑर्केस्ट्रा में नाबालिग लड़कियों से कराया जा रहा था काम, छापेमारी में तीन गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने धनखरैया और हरसिद्धि बाजार में छापेमारी कर ऑर्केस्ट्रा की आड़ में नाबालिग लड़कियों से काम कराए जाने के मामले का खुलासा किया है। जानकारी के अनुसार धनखरैया में ब्लॉक गेट के पास स्थित एक मेडिकल दुकान के पीछे बने कमरे तथा हरसिद्धि बाजार नहर के समीप स्थित किराये के मकान में पुलिस ने छापेमारी की। जांच के दौरान पता चला कि किरण म्यूजिकल ऑर्केस्ट्रा के नाम पर तीन नाबालिग लड़कियों से काम कराया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ऑर्केस्ट्रा संचालक सुधांशु कुमार पिता अखिलेश्वर कुमार तथा उसके सहयोगी मुकेश कुमार पिता राजेंद्र सहनी और नीलकमल कुमार पिता देवानंद पासवान को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। वहीं मौके से बरामद तीनों नाबालिग लड़कियों को चाइल्ड हेल्पलाइन मोतिहारी की मदद से रेस्क्यू कर लिया गया। छापेमारी दल में सिखा कुमारी, अंजली कुमारी, अविनाश कुमार, अंकित कुमार, अक्षय कुमार के अलावा चाइल्ड हेल्पलाइन के खुशबू कुमारी व मनधीर सिंह तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। ऑर्केस्ट्रा के नाम पर नाबालिग लड़कियों से काम कराया जा रहा था, जिसे लेकर तत्काल छापेमारी कर आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम में 15 आवेदनों पर हुई सुनवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित "जनता के दरबार में जिला प्रशासन" कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के विभिन्न अंचलों से आए कुल 15 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई शुक्रवार को की गई। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा आवेदनों पर विचार किया गया। उक्त कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) मो. शिबगतुल्लाह, अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी निशांत सिहारा, डीसीएलआर सदर मोतिहारी प्रीति सिंह, वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे और प्राप्त आवेदनों पर सुनवाई की। प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा ने कहा कि आज प्राप्त सभी आवेदनों पर संबंधित पदाधिकारियों के स्तर से आवश्यक कार्रवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्याओं का विधिसम्मत समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद तथा राजस्व विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों के त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा -निर्देश देते हुए प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को अग्रसारित करने का निर्देश दिया गया।

फरवरी में मोतिहारी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2268 गिरफ्तार, 27 हजार लीटर से अधिक शराब बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने फरवरी माह में अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार फरवरी में जिलेभर में कुल 2268 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 1385 को जेल भेजा गया। अपराध के विभिन्न मामलों में पुलिस ने 11 हत्या, 156 हत्या के प्रयास, 4 लूट, 1 डकैती, 3 बलात्कार, 25 पॉक्सो, 14 एससी/एसटी एक्ट तथा 55 चोरी के मामलों में आरोपितों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा 22 आर्म्स एक्ट और 89 एनडीपीएस एक्ट के मामलों में भी गिरफ्तारी की गई। शराबबंदी को लेकर चलाए गए अभियान में पुलिस ने 979 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें शराब के साथ पकड़े गए, सेवन करते हुए पकड़े गए तथा पूर्व मामलों के आरोपी शामिल हैं। वहीं 9006 वाहनों से 1.21 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया। बरामदगी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। फरवरी में 27,790 लीटर से अधिक अवैध शराब जब्त की गई, जिसमें 17,738 लीटर देशी और 24,642 लीटर विदेशी शराब शामिल है। इसके अलावा 578 किलो से अधिक गांजा, 2.5 किलो चरस, 1.198 किलो ब्राउन शुगर तथा अन्य मादक पदार्थ भी बरामद किए गए। पुलिस ने इस दौरान 14 हथियार और 41 जिंदा कारतूस भी जब्त किए। वहीं ऑपरेशन मुस्कान के तहत चोरी या गुम हुए 44 मोबाइल फोन बरामद कर मालिकों को लौटाए गए। नागरिक सेवाओं के तहत पुलिस ने 1584 लोगों को एफआईआर की निःशुल्क प्रति उपलब्ध कराई, जबकि 2517 आवेदनों का निष्पादन किया गया। इसके अलावा 340 शादियों में पुलिस सुरक्षा भी प्रदान की गई। पुलिस ने फरवरी में कई महत्वपूर्ण मामलों का खुलासा भी किया, जिसमें नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़, लूट और हत्या कांड का उद्भेदन, अवैध लॉटरी कारोबार तथा मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में गिरफ्तारी शामिल है। पुलिस का कहना है कि अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे भी अभियान जारी रहेगा।

आपसी विवाद में दो गुटों के बीच मारपीट, चार आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के चारगाहा मुर्गियां टोला गांव में घरेलू विवाद को लेकर दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मारपीट में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में शेख कमाल, शाहिद आलम, शेख अख्तर और शहनवाज अख्तर शामिल हैं। मामले में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। एक पक्ष की गजाला प्रवीण ने बताया कि उसके पट्टीदार शेख कमाल, हुस्ने आरा, शाहिद आलम, साजिद आलम, रौशनी खातून, मुस्तरी खातून और अमरीना खातून घरेलू विवाद को लेकर कहासुनी करने लगे और बाद में लाठी-डंडे से मारपीट करने लगे। इस दौरान उसे घायल कर दिया गया। बीच-बचाव करने आए उसके पति और पुत्र को भी मारपीट कर घायल कर दिया गया, जिसमें उसके पुत्र का सिर फट गया। वहीं दूसरे पक्ष की मुस्तरी खातून ने एफआईआर दर्ज कराते हुए शेख अख्तर, शहनवाज आलम, फरहान आलम, मुन्नी खातून और गजाला प्रवीण को आरोपित किया है। उसने बताया कि वह अपने घर पर काम कर रही थी, तभी सभी लोग हथियार के साथ उसके दरवाजे पर पहुंच गए और आंगन में घुसकर दीवार तोड़ने लगे। मना करने पर उसके साथ मारपीट की गई और लोहे की रॉड से हमला किया गया। बचाने आए उसके पुत्र शाहिद और साजिद को भी सिर, गर्दन समेत अन्य जगहों पर गंभीर चोटें आई हैं। आरोप है कि इस दौरान उसके घर में आग भी लगा दी गई। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज कर ली गई है तथा गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिकरहना में डीएसपी की क्राइम मीटिंग, अपराधियों पर कड़ी निगरानी के निर्देश

बीएनएम @ सिकरहना

अनुमंडल स्थित पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में शुक्रवार को डीएसपी उदय शंकर की अध्यक्षता में क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल के विभिन्न थानों के थानाध्यक्षों और पुलिस पदाधिकारियों के साथ क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान डीएसपी ने सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि अपने-अपने थाना क्षेत्रों के चिन्हित अपराधियों की अद्यतन सूची तैयार रखें और उनकी गतिविधियों पर लगातार गुप्त नजर बनाए रखें। उन्होंने कहा कि सभी गांवों में अपराधिक इतिहास वाले व्यक्तियों की गांववार सूची तैयार कर गश्ती दल को उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि किसी बड़ी घटना की स्थिति में आसपास के थाना क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए और किसी भी घटना की सूचना मिलते ही कुछ ही मिनटों में पूरे क्षेत्र को सील करने की व्यवस्था विकसित की जाए। डीएसपी ने लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश देते हुए शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू कराने पर भी जोर दिया। उन्होंने थानाध्यक्षों को चौकीदारों से नियमित फीडबैक लेने और शराब के धंधेबाजों पर पैनी नजर रखते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में घोड़ासहन व ढाका अंचल निरीक्षक, ढाका थानाध्यक्ष राजरूप राय, शिकारगंज थानाध्यक्ष गोपाल कुमार, चिरैया थानाध्यक्ष महेश कुमार, जितना थानाध्यक्ष सुधीर कुमार, कुंडवा चैनपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार, घोड़ासहन थानाध्यक्ष संजीवन कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

जमुनिया नहर का जर्जर पुल हादसों का दे रहा निमंत्रण, ग्रामीणों ने की मरम्मत की मांग

बीएनएम @ तुरकौलिया

शंकर सरैया चौक से गदरिया जाने वाली मुख्य सड़क पर जमुनिया नहर पर बना पुल जर्जर हो चुका है, जिससे क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुल का डिवाइडर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है और पुल का एक हिस्सा भी टूट चुका है। ऐसे में इस रास्ते से बड़े वाहनों का गुजरना जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि पुल में बने गड्ढे के कारण कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। अब तक करीब एक दर्जन से अधिक लोग इस गड्ढे में गिरकर घायल हो चुके हैं। कई लोगों के हाथ-पैर टूट गए हैं और उनका इलाज अभी भी चल रहा है। घायलों में विकास कुमार, चंचल कुमार, टुटून कुमार, रामासरे सिंह, बालेन्द्र सिंह और बचु राय शामिल हैं। विकास कुमार का हाथ और पैर टूट गया, जबकि साइकिल से जा रहे बचु राय का भी पैर टूट गया। टुटून कुमार के हाथ में फ्रैक्चर हुआ है। ग्रामीण भूलन यादव, उदेश यादव, फूलेन यादव, नागा यादव, सुदामा राय, गौरीशंकर यादव, हरि राय, हिरामन राय, चनरदेव मांझी, नत्थू मांझी, राजेश पासवान, उमेश पासवान, मेघु पासवान, विजय सिंह कुशवाहा, रमेश सिंह कुशवाहा, विनोद सिंह, मैनुद्दीन अंसारी, तबारक अंसारी और बसीर अंसारी ने बताया कि पुल के एक तरफ डिवाइडर मौजूद है, लेकिन दूसरी तरफ पूरी तरह गायब हो गया है। ऐसे में अनजान लोग सावधानी नहीं बरतते तो सीधे नहर में गिरने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से जल्द पुल की मरम्मत कराने और डिवाइडर बनवाने की मांग की है, ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लग सके। साथ ही उन्होंने कहा कि पुल के ऊपर से गुजरने वाली सड़क भी टूटी हुई है, जिससे आवागमन और अधिक कठिन हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा की नींव मजबूत करते हैं प्राथमिक विद्यालयः बीडीओ

बीएनएम @ बेतियाः बैरिया प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय मलाही कोइरी टोला में शुक्रवार को टीएलएम मेला एवं अभिभावक संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी कर्मजीत राम और विशिष्ट अतिथि सरपंच महासंघ की अध्यक्ष रजिया तबस्सुम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया।संबोधित करते हुए बीडीओ कर्मजीत राम ने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और कहा कि प्राथमिक विद्यालय ही बच्चों के भविष्य की नींव रखते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे मेलों से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है। रजिया तबस्सुम ने भी बच्चों को नियमित स्कूल आने और बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्रधान शिक्षिका रिंकी कुमारी गुप्ता ने स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं, जैसे म्यूजिकल सिस्टम, खेल सामग्री और छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर शिक्षक मजाहीर अनवर, संजय श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में अभिभावक और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नंदकिशोर यादव बने नागालैंड के नए राज्यपाल

राष्ट्रपति ने नियुक्ति पर लगाई मुहर

बीएनएम @ पटना। बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नंदकिशोर यादव को नागालैंड का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार 5 मार्च को इस महत्वपूर्ण नियुक्ति को अपनी स्वीकृति प्रदान की। बिहार की राजनीति में दशकों तक सक्रिय रहे नंदकिशोर यादव को यह नई संवैधानिक जिम्मेदारी मिलना राज्य के राजनैतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। वे पूर्व में बिहार सरकार के विभिन्न विभागों में मंत्री पद संभाल चुके हैं और संगठन में प्रदेश अध्यक्ष, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तथा विधानसभा अध्यक्ष जैसे गरिमामय पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में प्रत्यक्ष चुनावी राजनीति से थोड़ी दूरी बनने के बाद, अब उन्हें इस बड़े पद से नवाजा गया है।अपनी नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नंदकिशोर यादव ने भारत सरकार के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि नागालैंड एक संवेदनशील सीमावर्ती राज्य है और वे वहां संविधान की मर्यादाओं का पालन करते हुए विकास और सुशासन की दिशा में समर्पित भाव से कार्य करेंगे। इस घोषणा के बाद बिहार भाजपा में हर्ष की लहर है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने उनके संगठनात्मक और प्रशासनिक अनुभव की सराहना करते हुए इसे एक उचित निर्णय बताया है। वहीं, उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इसे पूरे बिहार के लिए गौरव का क्षण बताते हुए विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में नागालैंड में प्रशासनिक व्यवस्था और सुदृढ़ होगी। यह नियुक्ति बिहार के अनुभवी नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान देने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

रमेश साह की अग्रिम जमानत नामंजूर

बीएनएम @ दरभंगा। दरभंगा सिविल कोर्ट के जिला एवं प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार पाण्डेय की अदालत ने राहजनी और गोलीबारी के गंभीर मामले में आरोपी रमेश साह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। मामला सिमरी थाना कांड संख्या 121/24 से जुड़ा है, जिसमें मधुबनी निवासी रमेश साह पर एक महिला का मंगलसूत्र छीनने और विरोध करने पर उसके पति के पैर में गोली मारने का आरोप है।लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा ने बताया कि अदालत ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को राहत देने से साफ इनकार कर दिया। अब आरोपी के पास केवल दो विकल्प शेष हैंः या तो वह न्यायालय में आत्मसमर्पण कर नियमित जमानत की गुहार लगाए, या इस आदेश को पटना हाईकोर्ट में चुनौती दे। इस फैसले के बाद पुलिस अब आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है।

दरवाजा तोड़कर घुसे बदमाश, लाठी-डंडों से पीटा

बीएनएम @ बेतियाः बैरियया थाना क्षेत्र के फुलियाखाड़ पंचायत (वार्ड-7) में घर में घुसकर मारपीट और जानलेवा हमले का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित राजु राम ने गांव के ही कपिलदेव राम, राजेश राम और उमेश राम सहित अन्य लोगों पर लाठी-डंडों से लैस होकर हमला करने का गंभीर आरोप लगाया है।पीड़ित द्वारा पुलिस को दिए गए आवेदन के अनुसार, विवाद की शुरुआत गाली-गलौज से हुई। जब राजु राम और उनकी पत्नी जान बचाकर घर के भीतर भागे, तो आरोपियों ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दोबारा मारपीट की। आरोप है कि महिला पर लोहे के औजार से भी हमला किया गया, जिसमें वे बाल-बाल बचीं। बीच-बचाव करने आए परिजनों को भी जान से मारने की धमकी दी गई, जिससे पूरा परिवार दहशत में है। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है और मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री बदलने की आहट से कार्यकर्ताओं में गहरा आक्रोश

बीएनएम @ पटना। बिहार की राजनीति में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की चर्चाओं के बीच पटना स्थित जेडीयू प्रदेश कार्यालय में भारी हंगामा और बवाल देखने को मिला। शुक्रवार को नाराज कार्यकर्ताओं ने कार्यालय परिसर में लगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पोस्टरों पर कालिख पोत दी और "बीजेपी का मुख्यमंत्री मंजूर नहीं" के कड़े नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों का तर्क था कि बिहार में एनडीए को मिला जनादेश केवल नीतीश कुमार के चेहरे और उनके काम पर मिला है, इसलिए मुख्यमंत्री का पद किसी अन्य दल को देना उन्हें स्वीकार्य नहीं है।यह घटना जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा के कार्यालय के समीप हुई, जिससे पार्टी के भीतर पनप रहे गहरे असंतोष के संकेत मिल रहे हैं। मौके पर मौजूद मंत्री रत्नेश सदा को भी कार्यकर्ताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ा। दरअसल, नीतीश कुमार के राज्यसभा नामांकन के बाद यह अटकलें तेज हैं कि बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बन सकता है। इसी संभावना ने जेडीयू कार्यकर्ताओं को आक्रोशित कर दिया है, जिससे गठबंधन के भीतर नए राजनीतिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

सांसद टीवी पर आध्यात्मिक गुरु पंडित कमलापति त्रिपाठी का उद्घोषः सत्य की विजय और सांस्कृतिक मर्यादा का पर्व है होली

बीएनएम @ अरेराज

सांसद टीवी दिल्ली में अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु पंडित कमलापति त्रिपाठी ने भारतवर्ष के महान पर्व होली की पौराणिक महत्ता और वर्तमान समय में इसके गिरते स्वरूप पर गहरा प्रकाश डाला। उन्होंने देश के साथ-साथ विदेशों में रह रहे भारतीय संस्कारों के प्रति निष्ठावान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि होली का पर्व मात्र रंगों का खेल नहीं, बल्कि यह असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और अनीति पर नीति की विजय का एक कालजयी प्रतीक है। पंडित त्रिपाठी ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि आधुनिकता की अंधी दौड़ में इस आध्यात्मिक पर्व की पवित्रता धूमिल हो रही है, जिसे बचाना हर भारतीय का नैतिक और सांस्कृतिक दायित्व है। पंडित त्रिपाठी ने होली की पौराणिक कथा का उल्लेख करते हुए बताया कि जब अहंकार में डूबे राजा हिरण्यकश्यप ने स्वयं को ईश्वर मानकर प्रजा पर अत्याचार शुरू किया, तब उसी के घर में परम भक्त प्रहलाद का प्रादुर्भाव हुआ। अधर्म के मार्ग पर चलते हुए हिरण्यकश्यप की बहन होलिका ने भक्त प्रहलाद को अग्नि में जलाकर समाप्त करने का षड्यंत्र रचा, लेकिन ईश्वर की असीम कृपा से प्रहलाद का बाल भी बांका नहीं हुआ और वरदान के बावजूद होलिका स्वयं जलकर भस्म हो गई। यह कथा संपूर्ण विश्व को यह संदेश देती है कि जो व्यक्ति सत्य, न्याय और धर्म के मार्ग पर अडिग रहता है, भगवान नरसिंह हर क्षण उसकी रक्षा करते हैं, जबकि अनीति और अधर्म की राह चुनने वालों का विनाश सर्वथा निश्चित है। वर्तमान सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते हुए श्री त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि आज के समय में होली जैसे पावन पर्व को मादक पदार्थों के सेवन और जहरीले प्रदूषित रंगों, मोबिल व अन्य हानिकारक तत्वों के प्रयोग से दूषित किया जा रहा है। उन्होंने देशवासियों से विनम्र आग्रह किया कि वे इस महापर्व को 'सूखी होली' के रूप में मनाएं और रासायनिक रंगों के स्थान पर अबीर-गुलाल का प्रयोग करें। उन्होंने संस्कारों पर बल देते हुए कहा कि होली के दिन अपने से बड़ों के चरणों में गुलाल चढ़ाकर उनका आशीर्वाद लेना चाहिए, छोटों को स्नेह देना चाहिए और सहपाठियों व मित्रों को गले लगाकर आपसी कटुता को समाप्त करना चाहिए। उनका यह संदेश आज पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। राष्ट्रीय स्तर के बड़े मंचों पर पूर्व में भी अरेराज क्षेत्र का गौरव बढ़ाने वाले पंडित कमलापति त्रिपाठी के इस वक्तव्य पर स्थानीय गणमान्य जनों ने अत्यंत हर्ष व्यक्त किया है। उनके इस प्रयास की सराहना करने वालों में राजेंद्र कुमार मिश्रा, कामेश्वर मिश्र, संजय ओझा, धनु त्रिपाठी, मृत्युंजय कुमार मिश्रा, छोटू तिवारी, डॉ. टीपी त्रिपाठी, मिथिलेश दीक्षित और पंडित मदन शास्त्री सहित अनेक विद्वान शामिल हैं। सभी ने एक स्वर में त्रिपाठी जी के विचारों का समर्थन करते हुए समाज से अपील की है कि वे इस महापर्व की गरिमा को धूमिल होने से बचाएं और भारतीय संस्कारों की मशाल को प्रज्वलित रखें।

पुलिस और जनता के बीच मजबूत हो विश्वास का रिश्ताः इन्स्पेक्टर

बीएनएम @ बगहा

बगहा पुलिस जिला के बथवरिया थाना परिसर में शुक्रवार को पुलिस इन्स्पेक्टर (रामनगर) अभय कुमार की अध्यक्षता में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं को सुनना और पुलिस-पब्लिक संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाना था। संवाद के दौरान इन्स्पेक्टर ने फरियादियों की शिकायतों को अत्यंत गंभीरता से सुना और बथवरिया थानाध्यक्ष अनुपम कुमार राय को कई मामलों में त्वरित कार्रवाई एवं निष्पादन के कड़े निर्देश दिए।जन संवाद को संबोधित करते हुए पुलिस निरीक्षक अभय कुमार ने कहा कि समाज में शांति और सुरक्षा का माहौल तभी बन सकता है जब पुलिस और जनता के बीच अटूट विश्वास हो। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे बिना किसी भय के अपनी समस्याएं पुलिस तक पहुँचाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बगहा पुलिस अपराध नियंत्रण, शराबबंदी कानून के कड़े अनुपालन और क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।इन्स्पेक्टर ने थाना स्तर पर लंबित मामलों की समीक्षा की और वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी के साथ-साथ रात्रि गश्ती को और अधिक प्रभावी बनाने का आदेश दिया। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि कर्तव्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति जैसे मुखिया हरे नाम यादव, रामाधार यादव, पूर्व मुखिया शंभू साह, सरपंच मुनिब मियां और जंग बहादुर यादव सहित दर्जनों स्थानीय लोग उपस्थित रहे।दूसरी ओर, वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र में हुई एक अन्य दुखद घटना (सड़क दुर्घटना) के संदर्भ में थानाध्यक्ष मुकेश चंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेज दिया है और मामले की छानबीन जारी है।

डॉक्टर दंपत्ति पर जानलेवा हमला, दो गाड़ियां चकनाचूर

» आधे घंटे तक उपद्रव, मूकदर्शक बनी रही पुलिस

बीएनएम @ सीवान

सीवान जिले के सराय ओपी थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह चरमरा गई। मटुक छपरा गांव के पास एक मामूली सड़क दुर्घटना ने उस वक्त हिंसक मोड़ ले लिया, जब उग्र भीड़ ने पटना के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजेश रंजन, उनकी पत्नी श्वेता रंजन और पुत्र हर्षित रंजन पर जानलेवा हमला कर दिया। इस भीषण पथराव में डॉक्टर दंपत्ति की दो स्कॉर्पियो गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और परिवार के तीन सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का उपचार वर्तमान में सीवान सदर अस्पताल में चल रहा है। उल्लेखनीय है कि स्वेता रंजन बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान विधायक अवध बिहारी चौधरी की भतीजी हैं।घटनाक्रम के अनुसार, डॉ. रंजन अपने परिवार के साथ होली मनाकर पटना लौट रहे थे। इसी दौरान बाईपास मार्ग पर एक कथित नशेड़ी ट्रैक्टर चालक ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। जब डॉक्टर ने ट्रैक्टर रुकवाकर पूछताछ की कोशिश की, तो स्थानीय ग्रामीणों की हिंसक भीड़ ने उन पर ईंट-पत्थरों से हमला बोल दिया। बचाव में पहुंचे परिजनों की दूसरी गाड़ी को भी भीड़ ने नहीं बख्शा और उसमें जमकर तोड़फोड़ की।इस पूरी वारदात ने स्थानीय पुलिस की गश्ती और मुस्तैदी के दावों की पोल खोल दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, करीब आधे घंटे तक सड़क पर तांडव होता रहा, लेकिन पुलिस का कोई भी जवान मौके पर नहीं पहुंचा। यह लापरवाही तब और भी गंभीर हो जाती है, जब उसी शाम उसी इलाके में गोलीबारी की एक अन्य घटना भी हुई थी। सराय ओपी प्रभारी सह प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ आनंद ने बताया कि मामले की जांच जारी है और दोषियों की पहचान की जा रही है, हालांकि पुलिस की इस देरी ने नागरिकों की सुरक्षा पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं।

5000 से अधिक बेटियों को मार्शल आर्ट सिखा चुके हैं कोच मुकेश

कराटे के क्षेत्र में बिहार को दिलाई राष्ट्रीय पहचान

बीएनएम @ दरभंगा

बिहार के दरभंगा जिले के रहने वाले कराटे प्रशिक्षक मुकेश मिश्रा ने अपनी खेल प्रतिभा और समर्पण से राज्य को राष्ट्रीय पटल पर एक नई पहचान दिलाई है। एक अनुशासित परिवार से आने वाले मुकेश के पिता इंद्रकांत मिश्रा बिहार पुलिस से सेवानिवृत्त हैं, जिन्होंने उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मुकेश ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा दरभंगा से पूरी करने के बाद सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय और संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। मात्र 14 वर्ष की अल्पायु में कराटे की दुनिया में कदम रखने वाले मुकेश ने प्रशिक्षक अनिकेत गुप्ता के मार्गदर्शन में निपुणता हासिल की और वर्ष 2008 से 2016 तक कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सक्रिय रहकर अपनी धाक जमाई।खेल के प्रति उनके जुनून ने उन्हें वर्ष 2017 में दरभंगा में एक कराटे अकादमी की स्थापना के लिए प्रेरित किया। वर्तमान में वे बिहार कराटे टीम के वरिष्ठ कोच और 'स्टेट कराटे एसोसिएशन ऑफ बिहार' के संयुक्त सचिव के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। उन्होंने अब तक बिहार के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पाँच हजार से अधिक विद्यार्थियों, विशेषकर बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया है। उनके कुशल नेतृत्व में आदित्य कुमार और मंजीत कुमार जैसे खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण और कांस्य पदक जीतकर राज्य का मान बढ़ाया है। हाल ही में नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित 5वीं कियो राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता 2026 में उन्हें आयोजन समिति का सदस्य चुना गया, जो उनकी बढ़ती साख का प्रमाण है।

दिव्यांगों के बीच 11 इलेक्ट्रिक साइकिलों का वितरण

बीएनएम @ बगहा

पश्चिमी चंपारण के बगहा अनुमंडल अंतर्गत मधुबनी प्रखंड परिसर में शुक्रवार को समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में दिव्यांगजनों के लिए इलेक्ट्रिक साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रखंड प्रमुख विजय सिंह के नेतृत्व और प्रखंड विकास पदाधिकारी कुंदन कुमार की देखरेख में कुल 11 जरूरतमंद दिव्यांगों को ई-साइकिल प्रदान की गई।इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर दिया कि इन आधुनिक साइकिलों से दिव्यांगों को आवागमन में सुगमता होगी और वे अपने दैनिक कार्यों को बिना किसी बाधा के पूरा कर सकेंगे। बीडीओ कुंदन कुमार ने सरकार की अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रशासन गरीबों और असहायों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रखंड कर्मी मुख्य रूप से उपस्थित रहे|

सियासी हलचल के बीच बिहार को आर्थिक बूस्टर

केंद्र से मिलेंगे 7500 करोड़ रुपये, खजाने को मिलेगी मजबूती

बीएनएम @ पटना

बिहार की राजनीति में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा नामांकन के साथ आ रहे बड़े बदलावों के बीच राज्य के लिए एक राहत भरी आर्थिक खबर सामने आई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम चरण में बिहार को केंद्र सरकार से करों की हिस्सेदारी और विभिन्न योजनाओं के केंद्रांश के रूप में करीब साढ़े सात हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिलने की संभावना है। यह बड़ी वित्तीय मदद ऐसे समय में आ रही है जब राज्य सरकार वित्तीय अनुशासन को लेकर काफी सख्त है और खर्चों पर कड़ा नियंत्रण रख रही है। इस राशि के प्राप्त होने से न केवल राज्य के खजाने पर दबाव कम होगा, बल्कि बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई लंबित परियोजनाओं और विकास कार्यों के भुगतान में भी तेजी आने की उम्मीद है।सरकारी सूत्रों के अनुसार, वित्त विभाग ने फिलहाल 10 मार्च तक वेतन, पेंशन, मानदेय और सहायता राशि जैसे अनिवार्य भुगतानों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। इसके बाद ही संवेदकों और अन्य विकास योजनाओं से जुड़े दावों का निपटारा किया जाएगा। वर्तमान में बिहार में सड़क, पुल और सरकारी भवनों के निर्माण जैसी कई बड़ी बुनियादी परियोजनाएं चल रही हैं, जिनके भुगतान के दावे सरकार के पास लंबित हैं। वित्त विभाग के अधिकारियों का मानना है कि केंद्र से मिलने वाली इस राशि और राज्य के अपने राजस्व स्रोतों से होने वाली आय के समन्वय से वित्तीय प्रबंधन को मजबूती मिलेगी। कुल मिलाकर, यह आर्थिक बूस्टर बिहार की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा, जिससे विकास की गति को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

नौरंगिया गढ़ी में श्री शतचंडी महायज्ञ का भव्य आगाज

2100 कन्याओं ने निकाली कलश यात्रा

बीएनएम @ बगहा

बगहा अनुमंडल के नौरंगिया थाना क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक नौरंगिया गढ़ी स्थान में आयोजित होने वाले श्री शतचंडी महायज्ञ एवं श्री रामकथा को लेकर शुक्रवार को भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। महायज्ञ के शुभारंभ के अवसर पर 2100 कन्याओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा में सजी कन्याओं और महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर क्षेत्र का भ्रमण किया, जिससे पूरा वातावरण "जय माता दी" और "जय श्रीराम" के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।यह कलश यात्रा नौरंगिया गढ़ी स्थान से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए यज्ञ स्थल सिद्धाश्रम पीठ राजगृह मंदिर पहुंची। आयोजन समिति के अनुसार, यह धार्मिक अनुष्ठान 6 मार्च से 14 मार्च 2026 तक चलेगा। इस दौरान वृंदावन से पधारे सुप्रसिद्ध कथावाचक श्री श्री 108 श्री योगेश्वर दास जी महाराज श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का रसपान कराएंगे। महायज्ञ के विशेष आकर्षणों में भगवान श्रीराम के परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम भी शामिल है।श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समिति ने व्यापक इंतजाम किए हैं। प्रतिदिन विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जहाँ हजारों भक्त प्रसाद ग्रहण करेंगे। आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ मनोरंजन के लिए परिसर में मेला, झूला, जादूगर और रामलीला की भी व्यवस्था की गई है। आयोजन समिति ने क्षेत्र के समस्त प्रबुद्ध जनों और श्रद्धालुओं से सपरिवार इस महाकुंभ में सम्मिलित होकर पुण्य का भागी बनने की अपील की है। नौरंगिया गढ़ी में उमड़े जनसैलाब को देखते हुए सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

संपादकीय

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं। राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है। इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

नीतीश कुमार का राज्यसभा प्रस्थान : बिहार की राजनीति में नई करवट

बिनोद कुमार सिंह

भारतीय राजनीति में कुछ घटनाएँ केवल सत्ता परिवर्तन की खबर नहीं होतीं,बल्कि वे एक पूरे दौर के अंत और एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देती हैं।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करना भी ऐसी ही एक घटनाक्रमः है,जिसने बिहार की राजनीति पर पैनी पकड वालें राजनीतिक पंडिलों में हलचल पैदा कर दी है। .लगभग दो दशकों से बिहार की सत्ता के केंद्र में रहे एक नेता का सक्रिय प्रशासनिक राजनीति से संसद भवन की ओर बढ़ना केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है,बल्कि यह बिहार की राजनीति ,सत्ता संरचना,गठबंधन राजनीति और राष्ट्रीय रणनीति से जुड़ा एक बड़ा राजनीतिक संकेत भी है।

नीतीश कुमार लंबे समय से बिहार की राजनीति का पर्याय रहे हैं। लगभग पाँच दशकों से अधिक का उनका राजनीतिक जीवन भारतीय लोकतंत्र की अनेक परतों को अपने भीतर समेटे हुए है।उनका जन्म 1 मार्च 1951 को बिहार के नालंदा जिले के बख्तियारपुर में हुआ। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने राजनीति को अपना जीवन मार्ग बनाया।छात्र जीवन से ही वे राजनीति और समाजवादी विचारधारा से प्रेरित होकर उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से अपनी सक्रिय राजनीतिक यात्रा शुरू की।1974 के जेपी आंदोलन ने उनके राजनीतिक व्यक्तित्व को दिशा दी और यही आंदोलन आगे चलकर उन्हें बिहार की मुख्यधारा की राजनीति में स्थापित करने का आधार बना। सर्व विदित रहें कि

नीतीश कुमार पहली बार वर्ष 1985 में बिहार विधानसभा के लिए चुने गए।इसके बाद उनका राजनीतिक कद धीरे-धीरे बढ़ता गया।वर्ष 1989 में वे पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए और संसद में उनकी सक्रियता ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में पहचान दिलाई। 1990 के दशक में वे केंद्र की राजनीति में एक प्रभावशाली नेता के रूप में उभरे और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में उन्होंने रेल मंत्री, कृषि मंत्री और सतही परिवहन मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।रेल मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल विशेष रूप से उल्लेख नीय रहा।वर्ष 1998 और 1999 के बीच तथा बाद में 2001 में उन्होंने रेल मंत्रालय का दायित्व संभाला। इसी दौरान बिहार के गयसाल रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा देकर भारतीय राजनीति में एक अलग उदाहरण प्रस्तुत किया।यह कदम उनकी राजनीतिक शैली और जवाबदेही की भावना का प्रतीक माना गया।

बिहार की राजनीति में उनका निर्णायक उदय वर्ष 2005 में हुआ जब उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन कर राज्य में सरकार बनाई।उस समय बिहार लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता और प्रशासनिक चुनौतियों से जूझ रहा था।नीतीश कुमार ने 'सुशासन' और विकास के एजेंडे के साथ सत्ता संभाली और राज्य की छवि बदलने का प्रयास किया।सड़कों के निर्माण,विद्यालयों में छात्राओं के लिए साइकिल योजना,महिला सशक्तिकरण और कानून व्यवस्था में सुधार जैसे कदमों ने उन्हें एक विकासवादी नेता की पहचान दी।

नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री के रूप में राजनीतिक सफर भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है।वे बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेताओं में शामिल हैं। वर्ष 2000 में वे पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने, हालांकि उस समय वे बहुमत साबित नहीं कर पाए और उनका कार्यकाल केवल कुछ दिनों का रहा। इसके बाद वर्ष 2005 में वे पुनः मुख्यमंत्री बने और तब से लेकर अब तक वे लगभग लगातार बिहार की सत्ता के केंद्र में बने रहे। 2005, 2010, 2015, 2020 और 2024 के बाद के राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच वे कुल मिलाकर दस बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं।इस प्रकार लगभग बीस वर्षों से अधिक समय तक उन्होंने बिहार की राजनीति को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है।

उनकी राजनीतिक यात्रा में कई उतार-चढ़ाव भी आए।उन्होंने समय-समय पर गठबंधन बदले और राजनीतिक समीकरणों को नए सिरे से गढ़ा।कभी वे भाजपा के साथ रहे,कभी राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ महागठबंधन में शामिल हुए, और फिर दोबारा एनडीए के साथ लौट आए।यही कारण है कि उन्हें भारतीय राजनीति का एक अत्यंत व्यावहारिक और रणनीतिक नेता माना जाता है।अब जब उन्होंने राज्यसभा जाने का निर्णय लिया है,तो यह बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत माना जा रहा है।दो दशकों से अधिक समय तक राज्य की सत्ता के केंद्र में रहने के बाद उनका संसद की ओर बढ़ना केवल पद परिवर्तन नहीं बल्कि राजनीतिक भूमिका के विस्तार के रूप में भी देखा जा सकता है। उनके अनुसार संसदीय जीवन की शुरुआत से ही उनकी इच्छा थी कि वे संसद के दोनों सदनों के सदस्य बनें। इसी क्रम में अब वे राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं।इस निर्णय के साथ ही बिहार की राजनीति में कई सवाल खड़े हो गए हैं।सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी अब किसके हाथ में जाएगी। पिछले बीस वर्षों में बिहार की राजनीति का एक स्थायी तथ्य यह रहा है कि गठबंधन चाहे जो भी हो, मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अक्सर नीतीश कुमार ही दिखाई देते थे।ऐसे में उनके राज्यसभा जाने से सत्ता का नया समीकरण बनना लगभग तय माना जा रहा है।इस पूरे घटनाक्रम का राष्ट्रीय राजनीति से भी गहरा संबंध है।उनके नामांकन के समय केंद्रीय गृह मंत्री का पटना पहुँचना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि यह निर्णय केवल राज्य की राजनीति तक सीमित नहीं है। संभव है कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अधिक सक्रिय भूमिका देने की रणनीति के तहत यह कदम उठाया गया हो। संसद में उनकी उपस्थिति एनडीए के लिए एक अनुभवी और संतुलित नेतृत्व का प्रतीक बन सकती है।

विपक्षी दलों ने इस निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने इसे जनता के जनादेश के साथ विश्वासघात बताया है।उनका तर्क है कि यदि जनता ने किसी नेता को मुख्यमंत्री के रूप में चुना है और वह अचानक राज्यसभा की ओर चला जाता है तो यह लोकतांत्रिक भावना के विपरीत है।वही दूसरी ओर एनडीए के नेता इसे नीतीश कुमार का व्यक्तिगत और स्वाभाविक निर्णय बता रहे हैं।राजनीतिक विश्लेषण की दृष्टि से देखा जाए तो इस निर्णय के कई संभावित परिणाम हो सकते हैं। यदि बिहार में नया नेतृत्व उभरता है तो राज्य की राजनीति में नई ऊर्जा और नई प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है।भाजपा और जेडीयू के बीच सत्ता संतुलन का नया समीकरण भी बन सकता है। वहीं विपक्ष इस मुद्दे को जनता के बीच एक राजनीतिक अवसर के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगा।

यह भी स्पष्ट है कि नीतीश कुमार का प्रभाव अचानक समाप्त होने वाला नहीं है। उनका अनुभव, उनकी राजनीतिक समझ और प्रशासनिक क्षमता अभी भी बिहार की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। संभव है कि वे राज्यसभा में रहते हुए भी बिहार की राजनीति के मार्गदर्शक बने रहें और राज्य के विकास संबंधी निर्णयों पर उनका प्रभाव बना रहे।

समग्र रूप से देखा जाए तो नीतीश कुमार का राज्यसभा की ओर बढ़ना बिहार की राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। लगभग पाँच दशक की सक्रिय राजनीति और दो दशकों की सत्ता के बाद उनका यह निर्णय एक नए राजनीतिक युग की शुरुआत का संकेत देता है। यह परिवर्तन बिहार की राजनीति को किस दिशा में ले जाएगा, यह आने वाला समय तय करेगा।

इतना निश्चित है कि बिहार की राजनीति अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है; जहाँ पुराने अनुभव और नए नेतृत्व के बीच संतुलन स्थापित करना सबसे बड़ी चुनौती होगा। नीतीश कुमार का यह कदम आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति की दिशा और बिहार की सत्ता संरचना दोनों को प्रभावित कर सकता है।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है। - पं. मोतीलाल नेहरू

जो भारी कोलाहल में भी संगीत को सुन सकता है, वह महान उपलब्धि को प्राप्त करता है। - डॉ. विक्रम साराभाई

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि, चतुर्थी, शनिवार, चित्रा नक्षत्रे, गर योगे, विव करणे, तुला की चंद्रमा, सर्वार्थ सिद्ध योग 10/55 रोग विमुक्ता स्नान मुहूत जातकर्म नामाकरण व्यापार तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, शिक्षक-शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री, उत्तम वृत्ति वाला, धनी-मानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, दूध तथा चूने का व्यापारी, डोलोमाइट तथा सोने-चांदी का व्यापारी होगा।

मेष राशि :- शारीरिक अशांति, किसी परेशानी से बचिये नहीं तो किये पर पछताना पड़ेगा।

वृष राशि :- संवेदनशील होने से बचिये अन्यथा कुटुम्ब की समस्याओं का बोझ बढ़ेगा।

मिथुन राशि :- मानसिक कार्य में सफलता, संतोष, धन लाभ होगा, रुके कार्य अवश्य बनेंगे।

कर्क राशि :- विरोधी वर्ग का समर्थन फलप्रद होगा, शुभ कार्य होने के संकेत हैं ध्यान दें।

सिंह राशि :- व्यवसायिक क्षमता अनुकूल रहेगी, स्थिति पूर्ण नियंत्रण में रहेगी।

कन्या राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि होगी, रुके धन का लाभ अवश्य होगा।

तुला राशि :- अधिकारी वर्ग से विशेष समर्थन फलप्रद रहेगा, व्यवसाय गति उत्तम होगी।

वृश्चिक राशि :- धन लाभ, कार्य कुशलता से संतोष, पराक्रम-समृद्धि के योग अवश्य बनेंगे।

धनु राशि :- विरोधियों से सतर्क रहकर कार्य करें, स्वभावलंबी बनकर कार्य करेंगे।

मकर राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, दैनिक कार्यगति में सफलता अवश्य मिलेगी।

कुंभ राशि :- कार्य व्यवसाय में लाभ किन्तु धन का विशेष व्यय, शक्ति का व्यय होगा।

मीन राशि :- समृद्धि के साधन जुटायें, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कार्य पर ध्यान दें।

सुशासन के शिखर से सियासी शून्य तक नीतीश कुमार के ऐतिहासिक अवसान की दास्तां

दिलीप कुमार पाठक

नीतीश कुमार भारतीय राजनीति के एक ऐसे विलक्षण चरित्र हैं, जिन्हें इतिहास क्या हो सकता था और क्या हो गए के बीच के द्वंद्व के रूप में याद रखेगा। 2005 में जब उन्होंने बिहार की सत्ता संभाली, तो वह केवल एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के एक नए विजन और सुशासन के प्रतीक बनकर उभरे थे। 2005 से 2010 का वह स्वर्ण काल आज भी बिहार के मानस पटल पर अंकित है, जब उन्होंने जंगलराज की राख से एक नए बिहार की नींव रखी थी। उस दौर में नीतीश कुमार का कद इतना विराट था कि उन्हें प्रधानमंत्री पद का सबसे स्वाभाविक और योग्य दावेदार माना जाता था। उनकी तुलना अक्सर बड़े सुधारकों से की जाती थी, लेकिन आज का परिदृश्य कुछ और ही कहानी बयां करता है। नीतीश की सबसे बड़ी ताकत उनका प्रशासनिक विजन था। उन्होंने दिखा दिया था कि इच्छाशक्ति हो तो बिहार जैसे जटिल राज्य की कानून-व्यवस्था को बदला जा सकता है। सड़कों का जाल बिछाना, स्कूल की बच्चियों को साइकिल बांटकर सामाजिक क्रांति लाना और पंचायत चुनावों में महिलाओं को आरक्षण देना— ये उनके ऐसे मास्टरस्ट्रोक थे जिन्होंने उन्हें विकास पुरुष की उपाधि दी। उन्होंने राजनीति को जाति के दलदल से निकालकर विकास की मेज पर लाने की गंभीर कोशिश की थी। नीतीश कुमार में एक राष्ट्रीय नेता बनने की हर खूबी मौजूद थी—साफ सुथरी छवि, प्रशासनिक अनुभव और धर्मनिरपेक्ष साख। लेकिन 2013 के बाद उनकी राजनीति ने एक ऐसी करवट ली, जिसने उनकी विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए। नरेंद्र मोदी के उदय के विरोध में एनडीए छोड़ना और फिर बार-बार गठबंधन बदलना उनकी राजनीति का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। यहीं से सुशासन बाबू की छवि धीरे-धीरे एक संकीर्ण पहचान में तब्दील होने लगी। एक ऐसा नेता जो कभी देश को दिशा देने की क्षमता रखता था, वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए छोटे-छोटे समीकरणों में उलझ कर रह गया। नीतीश कुमार की सबसे बड़ी कमी उनकी अति-व्यावहारिकता रही, जो अंततः अवसरवाद के रूप में दिखने लगी। सत्ता के शीर्ष पर बने रहने की उनकी चाहत ने उनके वैचारिक आधार को कमजोर कर दिया। जब कोई नेता बार-बार अपने सिद्धांतों के विपरीत पाले बदलता है, तो वह जनता का विश्वास खो देता है। उनकी राजनीति धीरे-धीरे समावेशी विकास से हटकर केवल उत्तरजीविता की राजनीति बन गई। उन्होंने खुद को एक ऐसे घेरे में सीमित कर लिया जहाँ उनके पास न तो कोई बड़ा वैचारिक आधार बचा और न ही एक कड़क विद्रोही का तेवर। विशेष रूप से भाजपा के साथ उनके संबंधों का ग्राफ उनकी राजनीतिक गिरावट की सबसे बड़ी गवाह है। एक दौर वह था जब भाजपा में नीतीश कुमार का कद इतना बड़ा था कि उन्हें सिर-आंखों पर बिठाया जाता था। बिहार में भाजपा उनके पीछे खड़ी रहती थी और राष्ट्रीय स्तर पर वे एनडीए के सबसे प्रभावशाली चेहरे माने जाते थे। तब भाजपा उन्हें बड़ा भाई मानती थी और उनकी हर शर्त स्वीकार्य होती थी। लेकिन आज स्थिति बिल्कुल उलट है। बार-बार गठबंधन बदलने और अपनी विश्वसनीयता खोने के कारण आज वे भाजपा के लिए केवल एक रणनीतिक आवश्यकता बनकर रह गए हैं। कल तक जो नीतीश भाजपा की दिशा तय करते थे, आज वे भाजपा की बिछाई हुई बिसात पर एक मोहरे के समान नजर आते हैं। अब गठबंधन में शर्तें वे नहीं, बल्कि भाजपा तय करती है। यह एक सशक्त नेता का धीरे-धीरे हुआ वह अवसान है, जहाँ जिस भाजपा को वे कभी चुनौती देते थे, आज उसी की छत्रछाया में अपनी राजनीतिक आयु बढ़ाने को मजबूर हैं। यह एक विडंबना ही है कि जो नेता जातिवाद को खत्म करने की बात करता था, अंत में वह स्वयं जातीय गणना और छोटे कबीलाई वोट बैंक की राजनीति के इर्द-गिर्द सिमट गया। विकास का बड़ा कैनवास अब गठबंधन के जोड़-तोड़ की छोटी फाइलों में दब गया है। जब नीतीश कुमार भविष्य में पीछे मुड़कर देखेंगे, तो उन्हें निश्चित रूप से उस खोए हुए अवसर का मलाल होगा, जहाँ वह भारत के एक बड़े विकल्प का नेतृत्व कर सकते थे।

इतिहास नीतीश कुमार का मूल्यांकन एक अधूरी क्रांति के नायक के रूप में करेगा।

बिहार की राजनीति में सत्ता परिवर्तन से जुड़े सवाल

ललित गर्ग

बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मोड़ उस समय सामने आया जब राज्य के लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतिश कुमार ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने का निर्णय स्वीकार किया और इसके लिए नामांकन भी दाखिल कर दिया। उनके नामांकन के अवसर पर देश के गृह मंत्री अमित शाह का पटना पहुँचना भी इस राजनीतिक घटनाक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। लगभग दो दशकों तक बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का यह निर्णय केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि बिहार की सत्ता और राजनीति के स्वरूप में आने वाले बड़े परिवर्तन का संकेत भी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बिहार की राजनीति पहले से ही गठबंधनों, समीकरणों और सत्ता-संतुलन के दौर से गुजर रही है। इस निर्णय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। यह परिवर्तन जहां एक ओर नई संभावनाओं का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी खड़े करता है, क्या यह जनादेश का सम्मान है या उससे विचलन? क्या यह बिहार के लिए नई दिशा का मार्ग है या राजनीतिक रणनीति का एक नया अध्याय? नीतिश कुमार को लंबे समय से "सुशासन पुरुष" के रूप में जाना जाता रहा है। उन्होंने बिहार को लंबे समय तक स्थिर राजनीतिक नेतृत्व दिया और शासन व्यवस्था को कई स्तरों पर व्यवस्थित करने का प्रयास किया। सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पंचायत सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधार जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके कार्यों की चर्चा होती रही है। उनके शासनकाल में बिहार ने अराजकता और अपराध की छवि से बाहर निकलकर विकास और स्थिरता की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया, इसलिए उनका मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की ओर जाना केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक भूमिका के पुनर्निर्धारण के रूप में भी देखा जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को अधिक व्यापक बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है, जबकि कुछ इसे बिहार की सत्ता में नई पीढ़ी और नए नेतृत्व को अवसर देने की रणनीति के रूप में भी देखते हैं। बिहार में अपेक्षित संभावनाएं पूरी तरह आकार नहीं ले पायी, इसलिये भी भाजपा खुद का मुख्यमंत्री लाकर बिहार को विकास से जोड़ना चाहती है। नीतिश कुमार के इस निर्णय के बाद विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष का आरोप है कि विधानसभा चुनाव में जनता ने नीतिश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए वोट दिया था और पाँच वर्षों के जनादेश के बीच में मुख्यमंत्री पद छोड़ना जनता के विश्वास के साथ न्याय नहीं है। विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि यह निर्णय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है और इसमें जनता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे "जनादेश के साथ खिलवाड़" और "राजनीतिक समझौते की राजनीति" करार दिया है। उनका तर्क है कि यदि मुख्यमंत्री बदलना ही था तो जनता के पास फिर से जाने का रास्ता अपनाया जाना चाहिए था। इस प्रकार यह बहस केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता की भी बन गई है। दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री आता है, तो यह बिहार की राजनीति के लिए एक नया अध्याय हो सकता है। भाजपा लंबे समय से यह दावा करती रही है कि वह राज्य में विकास, सुशासन और अपराध-मुक्त प्रशासन को और अधिक प्रभावी रूप में लागू करना चाहती है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि बिहार में विकास की गति को और तेज करने, निवेश को बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नई नेतृत्व संरचना की आवश्यकता है। किसी भी लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया होती है। यह परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक ढंग से और राजनीतिक सहमति के साथ होता है, तो यह व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाता है। बिहार में पिछले दो दशकों में राजनीतिक स्थिरता अपेक्षाकृत बनी रही है और इसका एक बड़ा श्रेय नीतिश कुमार के नेतृत्व को दिया जाता है। अब जब वह सक्रिय प्रशासनिक भूमिका से हटकर संसदीय राजनीति की ओर जा रहे हैं, तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नया नेतृत्व उस स्थिरता को किस प्रकार बनाए रखता है। सत्ता परिवर्तन का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे शासन व्यवस्था में नए विचार, नई ऊर्जा और नई प्राथमिकताएँ सामने आती हैं। इस घटनाक्रम के साथ बिहार की राजनीति में नई पीढ़ी के प्रवेश और नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा भी तेज हो गई है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षक यह मानते हैं कि यह परिवर्तन केवल एक व्यक्ति या दल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में राज्य की राजनीति के पूरे स्वरूप को प्रभावित करेगा। यदि नई नेतृत्व संरचना बिहार के विकास, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक समरसता के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करती है, तो यह परिवर्तन राज्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। यदि सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, तो यह निर्णय बिहार के लिए सकारात्मक परिणाम ला सकता है। बिहार में प्रस्तावित सत्ता परिवर्तन को भाजपा एक व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी का मानना है कि लंबे समय से विकास, सुशासन, भ्रष्टावार-मुक्ति और सुरक्षा के जिन मुद्दों पर बिहार पिछड़ता रहा है, उन्हें एक निर्णायक नेतृत्व और कठोर प्रशासनिक इच्छाशक्ति के माध्यम से बदला जा सकता है।

इस संदर्भ में कई लोग उत्तर प्रदेश का उदाहरण भी देते हैं, जहाँ योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद अपराध और माफिया पर कठोर कार्रवाई, प्रशासनिक अनुशासन और विकास योजनाओं के विस्तार ने राज्य की छवि और जनजीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने का प्रयास किया। इसी दृष्टि से बिहार में भी यह उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि यदि भाजपा को स्पष्ट नेतृत्व का अवसर मिलता है, तो वह अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता और विकास के नए मानक स्थापित करने की दिशा में काम कर सकती है। आज भी यह व्यापक धारणा व्यक्त की जाती है कि बिहार में शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अपेक्षित गति से विकास नहीं हो पाया है और कई क्षेत्रों में अपराध तथा असुरक्षा की भावना जनजीवन को प्रभावित करती रही है।

विश्व त्रासदी :युद्ध अशांति अराजकता रक्तपात का दौर

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्व हिंसा और अशांति के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के बड़े भूभाग पर अशांति और ताकतवर देशों की अराजकता बढ़ रही है। कहीं सीधी जंग में मिसाइल हमले और एयरस्ट्राइक की जा रही हैं तो कहीं प्रॉक्सीवार के जरिए टकराव हो रहा है।युद्ध मानव सभ्यता के साथ पर्यावरण के लिए भी हानिकारक होता है। विस्फोट, रासायनिक हथियार और भारी सैन्य गतिविधियां प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर देती हैं। भूमि बंजर हो जाती है और जल स्रोत प्रदूषित हो जाते हैं।

बता देंकि 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसी साल 7 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में परिस्थितियां गंभीर और जटिल बनी हुई हैं। इस समय दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर है और दोनों देशों की सेनाएं प्रत्यक्ष सैन्य आक्रमणों में उलझी हुई हैं। रूस - यूक्रेन युद्ध, इजराएल - हमास युद्ध और अब अमेरिका - इजराएल बनाम ईरान युद्ध का संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्ध का दंश सीमाओं से परे जाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और शांति को बुरी तरह प्रभावित करता है।

इसे हाल ही में अमरीका और इसराईल द्वारा ईरान के विरुद्ध शुरू की गई भारी सैन्य कार्रवाई ने और बढ़ा दिया है। अब तक ईरान में ही इस युद्ध के कारण 555 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस जंग में हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है. ईरानी रेड क्रेसेंट सोसाइटी के मुताबिक, ईरान में 780 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं. इनमें कथित तौर पर एक स्कूल पर हुए अमेरिका-इसराइल के हमले में मारी गईं 165 लड़कियां और स्टाफ भी शामिल हैं।

युद्ध के कारण शरणार्थियों की समस्या भी उत्पन्न होती है जो अन्तराष्ट्रिय स्तर पर मानवीय संकट का रूप ले लेती है।

यह भी विडंबना है की युद्ध प्रायः सत्ता, वर्चस्व और वैचारिक मतभेदों के कारण होते हैं जबकि युद्ध का कीमत आम जनता चुकाती है। आज के परमाणु और अत्याधुनिक हथियारों के युग में युद्ध का अर्थ केवल सीमित संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक विनाश हो सकता है। विश्व भर में जारी कुछ अन्य युद्धों का सिलसिला जारी है आपको बता दें 2014 से जारी यमन के गृह युद्ध में लाखों लोग प्रभावित और हजारों लोगों की मौतें हो चुकी हैं। यह गृह युद्ध यमन के पूर्व और वर्तमान राष्ट्रपतियों के वफादार गुटों के बीच चल रहा है।

यमन की राजधानी सना स्थित होऊथी योद्धाओं जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह के वफादार योद्धाओं का समर्थन प्राप्त है, और अदन में स्थित मंसूर हादी की सरकार के बीच यह युद्ध चल रहा है।

21 फरवरी, 2026 को होऊथी सेनाओं द्वारा राजधानी सना में हादी को उनके आवास पर नजरबंद करने के एक महीने बाद ही हादी वहां से भाग निकलने में सफल रहे और अदन आ गए और कहा कि होऊथी अधिग्रहण अवैध था और वह अब भी यमन के संवैधानिक राष्ट्रपति हैं।

उधर इथोपिया में 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अबी अहमद द्वारा विपक्षी पार्टी एल.पी.टी.एफ. के विरुद्ध की गई सैन्य कार्रवाई के कारण शुरू हुए गृह युद्ध से लाखों लोग विस्थापित हुए और सैंकड़ों लोग मारे गए। हालांकि नवम्बर, 2022 में हुए शांति समझौते के बाद झगड़े कम हुए हैं परंतु तनाव अभी बना हुआ है।

आपको पता है म्यांमार में 1 फरवरी, 2021 को वहां के मिलिट्री जुंटा ने आंग सान सू की की सरकार का तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके तुरंत बाद ही जुंटा कहलाने वाले सैन्य शासकों का भी विरोध शुरू हो गया और इसने एक भीषण गृहयुद्ध का रूप ले लिया है। इस खूनी गृहयुद्ध में पिछले 5 वर्षों के दौरान 73,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

24 फरवरी, 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध पांचवें वर्ष में दाखिल हो चुका है। इस युद्ध में अंतर्राष्ट्रीय अनुमानों के अनुसार दोनों पक्षों के सैनिकों और नागरिकों को मिलाकर लाखों लोगों की मौत तथा लाखों लोग घायल और विस्थापित हुए हैं। 7 अक्तूबर, 2023 को इसराईल और फिलिस्तीन के बीच जमीन, राजनीतिक स्वामित्व और धार्मिक दावों से सम्बन्धित दशकों पुराना विवाद हमास द्वारा इसराईल पर बड़ा हमला किए जाने के बाद अधिक तेजी से भड़क उठा। दोनों पक्ष एक-दूसरे की भूमि पर कब्जे और एक-दूसरे पर परस्पर सुरक्षा खतरे के आरोप लगाते आ रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार इसराईली हमलों के कारण गाजा का बड़ा हिस्सा बुरी तरह तबाह हो चुका है जिसके पुनर्निर्माण में 20 वर्ष से भी अधिक समय लगने का अनुमान है। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद तेज हुआ है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन से आतंकी संगठन पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और इन हमलों में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं।

अफ्रीकी देश सुडान भी सूडानी सशस्त्र सेनाओं (एस.ए.एफ.) तथा अर्द्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आर.एस.एफ.) के बीच 2023 से जारी युद्ध के कारण इतिहास के सर्वाधिक उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहा है। इस कारण यहां की जनता पूरी तरह तबाह और बर्बाद हो गई है और उसकी मुसीबतों को गरीबी आदि ने और भी बढ़ा दिया है तथा लगभग 2 लाख 80 हजार लोग अपने घर छोड़ कर दूसरे स्थानों को जा चुके हैं।

उक्त सारे संघर्ष वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। कुल मिला कर आज विभिन्न देशों के नेताओं की सत्ता की भूख और निजी स्वार्थों के कारण दुनिया बारूद के ढेर पर बैठी नजर आ रही है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अभिषेक को फाइनल के लिए टीम से बाहर किये जाने संभावना नहीं

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा जिस प्रकार से विश्वकप क्रिकेट के अब तक के मैचों में असफल रहे है उसके बाद से ही उनके फाइनल के लिए टीम में रहने को लेकर संशय पैदा हो गया है हालांकि उन्हें टीम से बाहर किये जाने की संभावनाएं नहीं हैं। माना जा है कि खिताबी मुकाबले के लिए टीम में बदलाव का जोखिम प्रबंधन नहीं लेगा। इस टूर्नामेंट में भारत के दो सलामी बल्लेबाजों की किस्मत एकदम से विपरीत रही। अब सभी की नजरें इस बात पर रहेंगी कि अभिषेक इस मुकाबले में कैसा प्रदर्शन करते हैं। वह अपने पिछले छह मैचों में 0, 0, 0, 15, 10 और 9 रन ही बना पाये हैं। वे केवल एक ही मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ 50 से अधिक रन बना पाये थे। माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन फाइनल मुकाबले के लिए शीर्ष क्रम में कोई बदलाव नहीं करेगा। इंग्लैंड के खिलाफ मैच के बाद अभिषेक के सलामी जोड़ीदार संजू सैमसन ने कहा, हम अपने सभी खिलाड़ियों का ध्यान रख रहे हैं। साथ ही कहा कि कोच और कप्तान को को अभिषेक पर पूरा भरोसा है। गौरतलब है कि मुंबई में पहले लीग मैच के बाद अभिषेक के पेट में संक्रमण हो गया था जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। इससे उनका वजन कम हो गया और प्रतियोगिता के महत्वपूर्ण चरण के दौरान उनकी लय बिगड़ गई। यही नहीं विरोधी टीमों ने उनपर अंकुश लगाने के लिए शुरुआती ओवरों में धीमी गति के गेंदबाजों का इस्तेमाल किया है, विशेषकर ऑफ स्पिनरों और बाएं हाथ के स्पिनरों का। इससे उन्हें पारी की शुरुआत में वह गति नहीं मिल पाती जिसके साथ वे खेलना पसंद करते हैं। इस कारण वह शुरुआत में ही अपने विकेट गंवा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ पावरप्ले में उन्होंने ऑफ स्पिनर पर आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में कैच दे दिया था। वहीं नीदरलैंड के खिलाफ ऑफ स्पिनर ने उन्हें कोण लेती गेंद पर आउट किया। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भी धीमी गेंद पर शॉट खेलने की कोशिश में वह फिर से जल्दबाजी कर बैठे और मनचाहा शॉट नहीं लगा पाए। एक और तकनीकी पहलू उनके बल्ले के डाउनस्विंग की गति है। जब गेंद तेजी ये आती है तो तेज डाउनस्विंग के कारण उन्हें धीमी गेंदों से तालमेल बिठाने में मुश्किल हो सकती है। भारत के पास अंतिम मैच में रिंकू सिंह को टीम में शामिल करने का विकल्प है पर इससे बल्लेबाजी संयोजन पर असर पड़ सकता है जो टीम नहीं चाहेगी।

एएफसी महिला एशियाई कप में सैनफिदा नोंगरम ने डेब्यू मैच में ऐतिहासिक गोल करके रचा इतिहास

एजेंसी, नई दिल्ली

सैनफिदा नोंगरम ने अपने डेब्यू मैच में ऐतिहासिक गोल दागकर भारतीय महिला फुटबॉल के लिए खास पल रच दिया। हालांकि, इंजरी टाइम में गोल खाकर भारत को वियतनाम महिला फुटबॉल टीम के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला एएफसी महिला एशियाई कप 2026 के ग्रुप-सी में पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में खेला गया। हाफ टाइम के बाद बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान में उतरी 20 वर्षीय सैनफिदा ने 52वें मिनट में गोल कर भारत को बराबरी दिलाई। इस गोल के साथ उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड भी बनाया। एशियाई कप में भारत का पिछला गोल करीब 23 साल पहले हुआ था और उस समय सैनफिदा का जन्म भी नहीं हुआ था। अपने सीनियर अंतरराष्ट्रीय डेब्यू में गोल करने के बावजूद हार से वह पूरी तरह संतुष्ट नहीं थीं। मैच के बाद उन्होंने एआईएफएफ.कॉम से कहा, "भारत के लिए अपने डेब्यू मैच में पहला गोल करना खुशी की बात है, लेकिन आखिरी क्षणों में हार का दुख भी है। हम इस मैच से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे और अगले मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।" भारत का अगला मैच जापान महिला फुटबॉल टीम से होगा।

शिलांग से शुरू हुआ सफर- मेघालय की राजधानी शिलांग में जन्मीं सैनफिदा का फुटबॉल सफर बचपन से ही शुरू हो गया था। संयुक्त परिवार में पली-बढ़ीं सैनफिदा को उनके चचेरे भाई ने फुटबॉल खेलने के लिए प्रेरित किया। वह बचपन में घर और मैदान में रोज खेला करती थीं। करीब छह साल की उम्र में उन्होंने रॉयल वाहिंगदोह एफसी की अकादमी में शामिल होकर संगठित फुटबॉल की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में खेलते हुए अपनी प्रतिभा को निखारा।

बेंगलुरु में मिला नया मंच- 15 साल की उम्र में सैनफिदा ने फुटबॉल को गंभीरता से आगे बढ़ाने के लिए घर छोड़ा और बेंगलुरु चली गईं। यहां उन्होंने बैंगलोर यूनाइटेड एफसी से जुड़कर पूर्व भारतीय गोलकीपर चित्रा गंगाधरन के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लिया। यह उनके करियर का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

भारतीय महिला लीग में चमक- बेंगलुरु में दो साल बिताने के बाद उन्होंने इंडियन वीमेंस लीग में खेलना शुरू किया। पहले उन्होंने सिरवोडेम स्पोर्ट्स क्लब के लिए खेला और बाद में स्पोर्ट्स ओडिशा का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद वह गढ़वाल यूनाइटेड एफसी से जुड़ीं, जहां उनके करियर ने नई ऊंचाइयां हासिल कीं। 2024-25 सत्र में गढ़वाल यूनाइटेड ने इंडियन वीमेंस लीग 2 का खिताब जीता, जिसमें सैनफिदा टीम की कप्तान थीं। दिसंबर 2025 में उन्होंने लंबी दूरी से शानदार गोल कर क्लब को इंडियन वीमेंस लीग में पहली जीत भी दिलाई।

परिवार का मिला लगातार साथ- सैनफिदा के पिता पेशे से ड्राइवर हैं और उनकी मां गृहिणी हैं। परिवार ने हमेशा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सैनफिदा कहती हैं, "मेरा परिवार हमेशा एक ही बात कहता है—कभी हार मत मानो। फुटबॉल में जीत, हार या ड्रॉ कुछ भी हो सकता है, लेकिन सबसे जरूरी है आगे बढ़ते रहना और मेहनत करते रहना।"

प्राग शतरंज फेस्टिवल में अरविंद चितांबरम की जीत, डी. गुकेश का एक और मैच ड्रॉ

एजेंसी, प्राग

प्राग शतरंज फेस्टिवल 2026 के आठवें और अंतिम से पहले दौर में भारत के ग्रैंडमास्टर अरविंद चितांबरम ने गुरुवार को नीदरलैंड्स के जोर्डेन वान फॉरेस्ट को हराकर शानदार जीत दर्ज की। विश्व चैंपियन डी. गुकेश की जीत का इंतजार जारी रहा और उन्होंने जर्मनी के विन्सेंट कीमर के खिलाफ एक और मुकाबला ड्रॉ खेला। उधर, उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने मेज़बान खिलाड़ी डेविड नवारा को हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। अब्दुसत्तोरोव के 5.5 अंक हैं और वह वान फॉरेस्ट से आधा अंक आगे हैं, जबकि टूर्नामेंट का सिर्फ एक दौर बाकी है। फरवरी में टाटा स्टील मास्टर्स जीतने के बाद यह युवा उज्बेक खिलाड़ी इस साल का दूसरा बड़ा खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है। नवारा 4.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। अरविंद चितांबरम की इस जीत से उनके कुल 4 अंक हो गए और वह जर्मनी के विन्सेंट कीमर तथा ईरान के परहाम मघसूदलू के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक याकुब्बोएव, अमेरिका के हांस मोके नीमन और स्पेन के डेविड एंटोन गुइहारो 3.5 अंकों के साथ इसके बाद के स्थानों पर हैं। भारतीय खिलाड़ी डी. गुकेश फिलहाल 2.5 अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। दिन के अंत में मुकाबलों में काफी नाटकीय मोड़ देखने को मिला। अब्दुसत्तोरोव और अरविंद दोनों ने ऐसे मुकाबले जीते जो ड्रॉ की ओर बढ़ते नजर आ रहे थे। नवारा ने रूख और छोटे मोहरों के एंडगेम में ऊंट की गलती कर दी, जिसका फायदा उठाकर अब्दुसत्तोरोव ने जीत हासिल की। वहीं वान फॉरेस्ट एंडगेम में एक आसान चाल नहीं देख सके और अरविंद चितांबरम ने मौका भुनाकर जीत दर्ज कर ली।

सैमसन ने जीत का श्रेय बुमराह को दिया

एजेंसी, मुंबई

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज संजू सैमसन को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में उनकी 89 रनों की शानदार पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। सैमसन ने कहा कि अगर बुमराह ने डेथ ओवर्स में कसी हुई गेंदबाजी नहीं की होती तो आजा परिणाम कुछ और होता। बुमराह ने 15 वें से लेकर 19 वें ओवर के बीच बुमराह ने 2 ओवरों में एक भी बाउंड्री नहीं जाने दी। उनका साथ हार्दिक ने दिया। इससे मैच भारतीय टीम की पकड़ में आ गया।<इंग्लैंड को जीत के लिए अंतिम 5 ओवर में 69 रन चाहिए थे और जैकब बेथेल काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। ऐसे में मैच बराबरी पर था पर इसके बाद गेंदबाजी के लिए आये बुमराह ने अपने अगले ओवर में केवल 8 रन दिये। इससे इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा जिस कारण दूसरे बल्लेबाजी सैम करन बड़ शॉट लगाने के फेर में आउट हो गये। इसके बाद बुमराह ने 18 वे ओवर में भी केवल 6 रन देकर विरोधी टीम के लिए लक्ष्य का पीछा असंभवी सा बना दिया। बुमराह के इन दो ओवरों से ही मैच में अंतर आया। सैमसन ने कहा कि पांड्या ने भी 19वां ओवर काफी अच्छा किया। हार्दिक ने 19वें ओवर में मात्र 9 रन दिए थे। हार्दिक के इस ओवर की वजह से इंग्लैंड को आखिरी ओवर में 30 रन बनाने थे, जो एक बेहद कठिन लक्ष्य था जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड 22 रन बना सकी और 7 रन से मैच हार गयी। बुमराह ने 4 ओवर में 33 रन देकर 1 जबकि हार्दिक पांड्या ने 4 ओवर में 38 रन देकर 2 विकेट लिए।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 26 मार्च से 6 अप्रैल तक, छत्तीसगढ़ के तीन शहर करेंगे मेजबानी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में पहली बार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 26 मार्च से 6 अप्रैल तक आयोजित किए जाएंगे। यह ऐतिहासिक प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ के तीन शहरों रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा में होगी। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को बताया कि इस प्रतियोगिता में सात पदक खेलों को शामिल किया गया है, जिनमें एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती शामिल हैं। इसके अलावा मल्लखंब और कबड्डी को प्रदर्शन (डेमोंस्ट्रेशन) खेल के रूप में रखा गया है। इस आयोजन में देश के अधिकांश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। डॉ. मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स हमारे उस प्रयास का हिस्सा हैं, जिसके माध्यम से हर युवा को खेलों में आगे बढ़ने का अवसर और व्यापक मंच मिल सके। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन का भी हिस्सा है, जिसमें खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉ. मांडविया ने कहा कि इन खेलों के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों से उभर रही प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों से प्रतिभाओं को सामने लाना बेहद जरूरी है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि जनजातीय समुदायों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की शुरुआती स्तर पर पहचान हो, उन्हें व्यवस्थित रूप से समर्थन मिले और उन्हें राष्ट्रीय खेल ढांचे में शामिल किया जाए। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का संचालन युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, भारतीय ओलंपिक संघ, विभिन्न राष्ट्रीय खेल महासंघों और छत्तीसगढ़ राज्य आयोजन समिति के सहयोग से किया जाएगा। प्रतियोगिता के तकनीकी मानक अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के अनुरूप रखे जाएंगे। इन खेलों का आधिकारिक मैस्कॉट 'मोरवीर' है।

व्यापार

रूस से कच्चा तेल खरीद सकेगा भारतःईरान जंग के कारण अमेरिका ने 3 अप्रैल तक रियायत दी, पेट्रोल-डीजल महंगा नहीं होगा

नई दिल्ली। मिडिल-ईस्ट युद्ध के कारण कच्चा तेल 83 डॉलर के पार चला गया है। मिडिल-ईस्ट युद्ध के कारण कच्चा तेल 83 डॉलर के पार चला गया है। भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का संकट फिलहाल खत्म हो गया है, क्योंकि भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ये लाइसेंस 3 अप्रैल तक वैलिड रहेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने 6 मार्च को बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है।

अमेरिका से भी तेल खरीद बढ़ने की उम्मीद- बेसेंट ने कहा कि ईरान ग्लोबल एनर्जी मार्केट को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है। इस दबाव को कम करने के लिए हम भारत को यह 30 दिनों की छूट दे रहे हैं। उन्होंने कहा- हमें ये उम्मीद है कि इसके बाद भारत अमेरिकी तेल की खरीद में तेजी लाएगा। अमेरिका का मानना है इस उपाय से ग्लोबल मार्केट में तेल की कमी नहीं होगी।

5 मार्च तक लोड हुए जहाजों का ही तेल खरीद सकेंगे- अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' ने तेल खरीद के लिए ये लाइसेंस जारी किया है। इसके तहत 5 मार्च तक जहाजों पर लोड हो चुके रूसी कच्चे तेल की ही डिलीवरी भारत को की जा सकेगी। यानी, जो जहां पहले से समुद्र में है उनसे सप्लाई होगी। कार्गो शिप्स लगभग 95 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल टैंकरों में भरकर एशियाई देशों के आसपास वेटिंग मोड में खड़ी हैं। कार्गो शिप्स लगभग 95 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल टैंकरों में भरकर एशियाई देशों के आसपास वेटिंग मोड में खड़ी हैं।

इजराइल-ईरान जंग से कच्चा तेल 83 डॉलर के पार पहुंचा- मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर हो गई है। ईरान ने 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20% तेल सप्लाई होती है। तेल क्षेत्रों पर हमलेः पिछले कुछ दिनों

में सऊदी अरामको की 'रास तनुरा' रिफाइनरी और इराक के 'रुमैला' तेल क्षेत्र जैसे बड़े केंद्रों पर हमले हुए हैं। कीमतों में उछालः ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई के कारण ग्लोबल मार्केट में ब्रेंट क्रूड की कीमतें आज सुबह 84 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं।

राजनाथ सिंह बोले- होर्मुज में रुकावट का तेल-गैस सप्लाई पर असर- ईरान संघर्ष के असर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज या पूरा फारस की खाड़ी वाला इलाका दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जब इस क्षेत्र में कोई बाधा या रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की सप्लाई पर पड़ता है.। ये अनिश्चितताएं सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मौजूदा स्थिति काफी जटिल हो गई है और ऐसा लगता है कि भविष्य में यह और भी ज्यादा अस्थिर हो जाएगी। जिस तरह से अलग-अलग देश जमीन, हवा, समुद्र और अब अंतरिक्ष में भी एक-दूसरे के साथ मुकाबला कर रहे हैं, वह हम सभी के लिए वास्तव में चिंता का विषय है... मुझे और भी ज्यादा चिंता इस बात की है कि यह असामान्यता अब 'न्यू नॉर्मल' बनती जा रही है...."

रूसी तेल टैंकरों को खरीदने की तैयारी- ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत उन रूसी तेल कार्गो को खरीदने पर विचार कर रहा है, जो फिलहाल भारतीय समुद्र के करीब या एशियाई जल क्षेत्र में मौजूद हैं। इस समय लगभग 95 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल टैंकरों में भरकर एशियाई देशों के आसपास वेटिंग मोड में है। भारत इन टैंकरों को तुरंत रिसीव कर सकता है, जिससे ट्रांसपोर्टेशन का समय और लागत दोनों कम होगी। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का उपभोक्ता है।

सोना 1.61 लाख के पार और चांदी 2.67 लाख के करीब

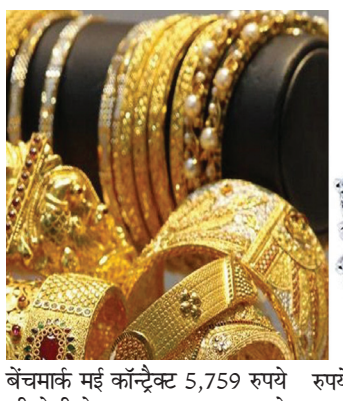

नई दिल्ली। घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी की कीमतों में मजबूती देखने को मिली। दोनों की कीमतें तेजी के साथ खुलीं और कारोबार के दौरान भी बढ़त के साथ ट्रेड करती रहीं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 1,367 रुपये की तेजी के साथ 1,61,040 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,59,673 रुपये पर बंद हुआ था। इस समय सोना लगभग 1,360 रुपये की तेजी के साथ 1,61,033 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,61,250 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,60,893 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल अब तक सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुके हैं। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी मजबूत तेजी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 5,759 रुपये की तेजी के साथ 2,67,950 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 2,62,191 रुपये था। इस समय यह करीब 4,982 रुपये की तेजी के साथ 2,67,173 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने 2,68,991 रुपये का दिन का उच्च स्तर छुआ, जबकि निचला स्तर 2,67,173 रुपये रहा। इस साल चांदी के वायदा भाव 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी मजबूती के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 5,099.70 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने के समय 62.70 डॉलर की तेजी के साथ 5,141.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 82.55 डॉलर प्रति औंस पर खुली और बाद में 84.61 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गई।

ईडी का अनिल अंबानी और रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़ी कई कंपनियों पर छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के समूह की कंपनी 'रिलायंस पावर लिमिटेड' के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत मुंबई और हैदराबाद में कई स्थानों पर शुक्रवार को छापेमारी की है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी के अधिकारी अनिल अंबानी और रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़ी कंपनियों पर छापेमारी कर रहे हैं।

ईडी की 15 टीमों ने आज सुबह इस कंपनी से जुड़े लोगों के खिलाफ छापेमारी की कार्रवाई की है। बताया गया है कि केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी अनिल अंबानी की कंपनी और उसके अधिकारियों से जुड़े लगभग 10-12 ठिकानों पर दोनों शहरों में छापेमारी कर रही है। इस कार्रवाई के तहत मुंबई और हैदराबाद में छापेमारी की जा रही है। एजेंसी ने इन स्थानों में कंपनी के कार्यालय, अधिकारियों के निजी ठिकाने और अन्य संबंधित परिसर को शामिल किया है। छापेमारी के दौरान एजेंसी की टीमों ने दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड और अन्य जरूरी सामग्री जब्त की है। ईडी की यह कार्रवाई एजेंसी की व्यापक जांच का हिस्सा है, जिसमें बैंक धोखाधड़ी से जुड़े लेन-देन और वित्तीय अनियमितताओं की गहन पड़ताल की जा रही है। ईडी ने पहले ही संकेत दिया था कि अनिल अंबानी से जुड़े विभिन्न समूह कंपनियों की वित्तीय गतिविधियों का विश्लेषण किया जा रहा है और संदिग्ध लेन-देन की पहचान की जा रही है।

वैश्विक संकेतों से दबाव में भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले

सेंसेक्स 350 अंक गिरकर खुला, निफ्टी 24650 के नीचे

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले। एक दिन पहले आई हल्की रिकवरी के बाद निवेशकों में सतर्कता देखने को मिली और शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बढ़ गया। खासकर प्राइवेट बैंकिंग शेयरों में कमजोरी ने बाजार की चाल को प्रभावित किया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार सुबह गिरावट के साथ 79,658 अंक पर खुला। इससे पहले गुरुवार को यह 80,015 अंक पर बंद हुआ था। बाजार खुलने के कुछ ही देर बाद गिरावट और बढ़ गई। सुबह करीब 9:20 बजे सेंसेक्स 554.50 अंक की गिरावट के साथ 79,461.40 अंक पर कारोबार करता दिखाई दिया। इसी तरह निफ्टी 50 भी कमजोरी के साथ 24,656 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी पर भी दबाव बना रहा। फिलहाल यह 176.40 अंक गिरकर 24,589.50 अंक पर ट्रेड कर रहा था।

विश्लेषकों के अनुसार बाजार में गिरावट की प्रमुख वजह वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेत और बैंकिंग शेयरों में आई बिकवाली रही। खास तौर पर आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े प्राइवेट बैंकों के शेयरों में गिरावट का असर प्रमुख सूचकांकों पर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इन कंपनियों का इंडेक्स में अधिक वेटेज होने के कारण इनके शेयरों में गिरावट से पूरे बाजार पर दबाव बढ़ गया।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल निवेशक वैश्विक आर्थिक

परिस्थितियों और विदेशी बाजारों की चाल पर नजर बनाए हुए हैं। ऐसे में अल्पावधि में बाजार में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, दीर्घकालिक निवेशकों के लिए बाजार की गिरावट को अवसर के रूप में भी देखा जा रहा है।

यस बैंक कामकाजी महिलाओं के लिए शुरू करेगा 'यस इसेंस महिला वेतन खाता'

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के यस बैंक ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से पहले काम काजी महिलाओं की वित्तीय एवं जीवनशैली संबंधी जरूरतें पूरा करने में मददगार एक विशेष वेतन खाता शुरू करने की घोषणा की है। यस बैंक की यह नई पेशकश वित्तीय सुरक्षा, निवारक स्वास्थ्य देखभाल, जीवनशैली विशेषाधिकार और संपत्ति सृजन जैसी विशेष सर्विस को एक ही मंच पर उपलब्ध कराएगी। बैंक ने बताया कि इस नए खाते का नाम 'यस इसेंस महिला वेतन खाता' रखा गया है। इसके तहत पहले वर्ष के लिए विशेष मुफ्त लॉकर सुविधा, एक वर्ष के लिए पांच लाख रुपये का टॉप-अप स्वास्थ्य कवर और वर्ष में एक बार वार्षिक निवारक स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाएं होंगी। बैंक ने कहा कि इसे खास तौर पर उन महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया है, जो नौकरी या प्रोफेशनल काम के जरिए अपनी आय अर्जित करती हैं। बैंक का कहना है कि यह खाता महिलाओं को बेहतर बैंकिंग अनुभव देने के साथ-साथ उनके वित्तीय भविष्य को मजबूत बनाने में भी मदद करेगा।

बॉक्स ऑफिस पर चौथे दिन भी द केरल स्टोरी का दिखा दम, ओ रोमियो हुई पस्त, 39 दिन पुरानी बॉर्डर 2 ने किया कमाल

सिनेमाघरों में मौजूद तमाम फिल्मों की बॉक्स ऑफिस कमाई जानने के लिए हर कोई बेसब्र रहता है. सोमवार के टेस्ट में भी नई रिलीज द केरल स्टोरी 2 से लेकर तीसरे हफ्ते में पहुंची ओ रोमियो और एक महीने से ज्यादा पुरानी बॉर्डर 2 और मर्दानी 3 ने अपनी किस्मत आजमाई. हालांकि सोमवार के टेस्ट में द केरल स्टोरी ही पहले पायदान पर नजर आईं. बाकी की फिल्मों के कमाई का ग्राफ नीचे गिरता दिखा. जानते हैं इन सभी फिल्मों की मंडे की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट केरल हाई कोर्ट से क्लियरेंस मिलने के बाद द केरल स्टोरी 2 गोज़ बियॉन्ड थिएटर में रिलीज हुई. हालांकि, फिल्म अपने पहले पार्ट जैसा बज और उम्मीद क्रिएट नहीं कर सकी. और यही बात इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में भी दिखी. बता दें कि हले दिन, द केरल स्टोरी 2 ने 0.75 करोड़ रुपये कमाए. वहीं दूसरे दिन इसने 4.65 करोड़ और तीसरे दिन 4.75 करोड़ रुपये कमाए. अब, सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के पहले सोमवार को 2.65 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसके साथ ही, फिल्म का कुल कलेक्शन अब भारत में 12.8 करोड़ रुपये नेट हो गया है. शाहिद कपूर की ओ रोमियो से काफी उम्मीदें थी लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई. विशाल भारद्वाज निर्देशित इस फिल्म ने रिलीज के पहले हफ्ते में 47.1 करोड़ और दूसरे वीक में 14.45 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं 15वें दिन फिल्म ने 1.15 करोड़, 16वें दिन 1.3 करोड़ और 17वें दिन 1.15 करोड़ कमाए. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक ओ रोमियो ने रिलीज के 18वें दिन 65 लाख रुपये कमाए हैं. इसी के साथ ओ रोमियो की 18 दिनों की कुल कमाई अब 65.8 करोड़ रुपये हो गई है. सनी देओल की बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस पर थकने का नाम ही नहीं ले रही है. यहां तक कि नई रिलीज फिल्मों के आगे भी ये नोट छापने से बाज नहीं आ रही है हालांकि इसकी कमाई अब काफी कम भी हो गई है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक बॉर्डर 2 ने रिलीज के 39वें दिन यानी छठे मंडे को 13 लाख रुपये कमाए हैं.इसी के साथ इस फिल्म की 39 दिनों की कुल कमाई अब 327.68 करोड़ रुपये हो गई है. रानी मुखर्जी की फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया है. दिलचस्प बात ये है कि बॉर्डर 2 की तरह ये फिल्म भी सिनेमाघरों में रिलीज के एक महीने बाद भी दर्शकों को खींच रही है. फिल्म की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के 5वें मंडे को सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 10 लाख रुपये कमाए हैं. जिसके बाद इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 49.45 करोड़ रुपये हो गया है.

फिल्म डकैत का पहला गाना रूबरू जारी, अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की मासूम प्रेम कहानी ने छुआ दिल

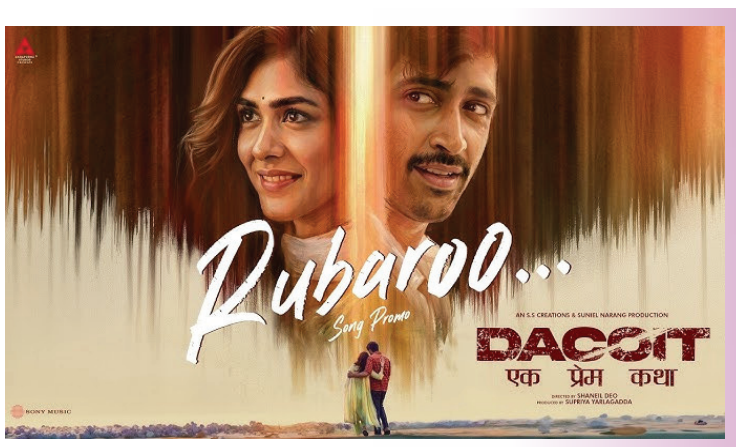

मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष की आगामी फिल्म डकैत- एक प्रेम कथा लंबे समय से चर्चा में है। पहले इसे मार्च, 2026 में रिलीज किया जाना था, लेकिन अब फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों का रुख करेगी। इस बीच, लोगों की उत्सुकता को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने पहला गाना रूबरू जारी कर दिया है। गाने को हिंदी और तेलुगु भाषाओं के साथ डब किया गया है, जो सोनी म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध हो चुका है। रूबरू को फहीम अब्दुल्लाह ने आवाज दी है। इसमें उनका साथ चिन्मयी श्रीपदा ने दिया है। गाने का संगीत भीम्स सेसिरोलियो ने तैयार किया है, जबकि बोल रितेश रजवाड़ा ने लिखे हैं। बता दें, फिल्म डकैत का निर्देशन शेनिल देव ने किया है। इसकी कहानी प्यार, धोखे और बदले के इर्द-गिर्द घूमती है। प्रकाश राज और अतुल कुलकर्णी भी फिल्म में प्रमुख किरदारों में दिखाई देंगे। इस पैन-इंडिया फिल्म को हिंदी और तेलुगु में एक साथ शूट किया गया है। 'रूबरू को गाने के बारे में बात करते हुए फहीम अब्दुल्ला ने कहा, जब मैं 'रूबरू रिकॉर्ड कर रहा था, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी के प्यार की सबसे नाज़ुक याद में कदम रख रहा हूँ उसी की शुरुआत में। इस धुन में एक कोमलता है, लेकिन साथ ही एक गहराई भी है जो लंबे समय तक महसूस होती रहती है। मुझे लगता है कि श्रोता इस भावना को सच में महसूस करेंगे। गायिका चिन्मयी श्रीपादा ने कहा, रूबरू में एक शांत गहराई है, जिससे मैं तुरंत जुड़ गई। इसे दो भाषाओं में रिकॉर्ड करना सिर्फ़ शब्दों का सम्मान करना नहीं था, बल्कि हर संस्करण की भावनात्मक लय को समझना भी था। यही बारीकी इस अनुभव को मेरे लिए बेहद खास बनाती है।

आलिया भट्ट ने लव एंड वॉर पर दिया अपडेट, बोलीं- आभारी हूं कि ये मौका मिला

अभिनेत्री आलिया भट्ट अपनी आगामी फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त चल रही हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी मुख्य किरदारों में हैं। हाल ही में, एक कार्यक्रम के दौरान आलिया ने फिल्म को लेकर बात की और उससे जुड़ा एक अपडेट साझा किया। आलिया ने भंसाली संग करने के अनुभव पर भी बात की और इस सफर को जादुई बताते हुए आभार व्यक्त किया। आलिया ने मिलान फैशन वीक में अपनी उपस्थिति से खूब चर्चा बटोरी। इस दौरान अभिनेत्री ने अपनी वर्तमान की परियोजना के बारे में खुलासा किया। उन्होंने कहा, मैं फिलहाल लव एंड वॉर नाम की एक फिल्म पर काम कर रही हूं। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। यह एक बेहद जादुई अनुभव रहा है। लव एंड वॉर बॉलीवुड की सबसे चर्चित आगामी परियोजनाओं में से एक है। भंसाली के साथ दोबारा जुड़ने पर आलिया ने कहा, संजय सर के साथ काम करना जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव है और मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे यह मौका मिला। दरअसल, फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के बाद यह दूसरा मौका है, जब आलिया को दोबारा भंसाली की फिल्म में जुड़ने का मौका मिला है। पहले यह फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे 2027 तक के लिए खिसका दिया गया है।

विजय-रश्मिका की राणाबली का गाना ओ मेरे साजन हुआ रिलीज, रोमांस करता नजर आया न्यूली वेड कपल

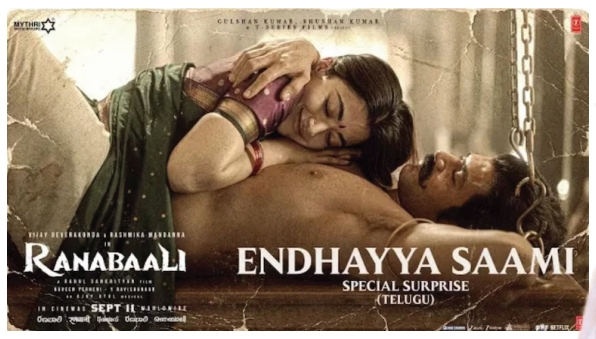

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के प्रशंसकों के लिए दोहरी खुशी का मौका है। इस जोड़ी ने असल जिंदगी में शादी के बंधन में बंधकर अपने नए सफर की शुरुआत कर दी है। अब इस मौके पर उनकी आगामी फिल्म राणाबाली के निर्माताओं ने एक बड़ा सरप्राइज देते हुए फिल्म का रोमांटिक गाना ओ मेरे साजन रिलीज कर दिया है। वीडियो न केवल फिल्म का हिस्सा है, बल्कि विजय-रश्मिका के नए वैवाहिक जीवन के लिए एक खूबसूरत तोहफा भी है। ओ मेरे साजन रश्मिका (जायम्मा) और विजय (राणाबाली) के किरदारों की शादी की तैयारियों से शुरू होता है। पारंपरिक शादी के लिबास में सजे विजय और रश्मिका की घर में भव्य एंट्री दिखाई गई है, जो बेहद राजसी लगती है। वीडियो में उनके वैवाहिक जीवन की छोटी-छोटी झलकियां और प्यार भरे पलों को खूबसूरती से पिरोया गया है। अंत में मैत्री मूवी मेकर्स ने रश्मिका और विजय को खुशहाल शादीशुदा जीवन की बधाई दी है। 7 साल के लंबे इंतजार के बाद रश्मिका और विजय की पसंदीदा जोड़ी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। दोनों ने आखिरी बार साल 2019 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म डियर कॉमरेड में एक साथ स्क्रीन शेयर की थी। इससे पहले 2018 में उनकी फिल्म गीता गोविंदम ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाया था। राणाबाली सितंबर 2026 में रिलीज होने वाली है, जिससे सामने आई रश्मिका और विजय की पहली झलक ने फैंस का उत्साह और बढ़ा दिया है। इस फिल्म का निर्देशन राहुल सांकृत्यान ने किया है. इसकी कहानी 19वीं सदी के भारत में घटी है और यह 1854 से 1878 के बीच हुई वास्तविक ऐतिहासिक घटनाओं से प्रेरित है. विजय ने शक्तिशाली राणाबली का किरदार निभाया है, जबकि रश्मिका ने जयम्मा की भूमिका निभाई है. हॉलीवुड अभिनेता अर्नोल्ड वोस्लू खलनायक सर थियोडोर हेक्टर के रूप में नजर आते हैं. विजय ने इससे पहले फिल्म का फर्स्ट लुक साझा करते हुए लिखा था, अंग्रेजों ने उन्हें जंगली कहा था, मैं इससे असहमत नहीं हूं, वह हमारा जंगली था! यह फिल्म ब्रिटिश शासन के अधीन लोगों के संघर्षों को दर्शाती है और इसमें सशक्त भावनाएं और एक्शन देखने को मिलते हैं. दिलचस्प बात यह है कि विजय और रश्मिका पहले भी गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड जैसी हिट फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं. लेकिन इस बार उत्साह और भी अधिक है क्योंकि वे अब वास्तविक जीवन में पति-पत्नी हैं.

पेड्डी का दूसरा गाना रई रई रा रा गाना हुआ रिलीज, राम चरण के हाई-एनर्जी स्वैग ने मचाया धमाल

सुपरस्टार राम चरण अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म पेड्डी को लेकर खूब चर्चा बटोर रहे हैं। इस बीच निर्माताओं ने फिल्म का दूसरा एकल गाना राई राई रा रा जारी कर दिया है। चिकरी चिकिरी की जबरदस्त सफलता के बाद आए इस दूसरे गाने को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। एआर रहमान ने अपने संगीत से गाने को जोशीले और लयबद्ध धुन के साथ प्रस्तुत किया है। आवाज गायक नकाश अजीज ने दी है, जबकि बोल रकीब आलम ने लिखे हैं। रई रई रा रा रिलीज होते ही इंटरनेट पर तूफान ला दिया। पहले गाने चिकिरी चिकिरी के 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज के बाद यह हाई-एनर्जी ट्रैक फैन्स को झूमने पर मजबूर कर रहा है। राम चरण के धमाकेदार डांस मूव्स ने इसे साल का सबसे बड़ा पार्टी एंथम बना दिया। दर्शक राम चरण को चिरुथा स्टाइल में थिरकते देख भूल ही नहीं पा रहे। निर्देशक बुची बाबू सना ने राई राई रा रा गाने को भव्य पैमाने पर तैयार किया है, जिसमें राम का जोशीला और देहाती डांस लोगों को झूमने पर मजबूर करेगा। जानी मास्टर ने अपनी रोंगटे खड़े करने वाली कोरियोग्राफी से इस जोश को बढ़ाने का काम किया है। बता दें, वेंकट सतीश किलारू द्वारा भव्य पैमाने पर निर्मित, पेड्डी 30 अप्रैल को कई भाषाओं में रिलीज हो रही है। फिल्म में राम के साथ जाह्नवी कपूर मुख्य किरदार में हैं। फिल्म पेड्डी वृद्धि सिनेमास और माइथ्री मूवी मेकर्स का प्रोडक्शन है, जो 30 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। रत्नावेलु के कैमरा, नवीन नूलि के एडिटिंग और अविनाश कोल्ला के प्रोडक्शन डिजाइन से सजी यह ग्रैंड एक्शन ड्रामा राम चरण को नए लेवल पर ले जाएगी। दिव्येंदु शर्मा भी अहम रोल में हैं। पहले ग्लिम्प्स में दिखा क्रिकेट शॉट इसी गाने का हिस्सा है। राम चरण-जनह्वी की जोड़ी और रहमान का संगीत इसे ग्लोबल हिट बनाने को तैयार। फैन्स बाकी साउंडट्रैक का इंतजार कर रहे, जो बॉक्स ऑफिस पर धमाल की गारंटी दे रहा।

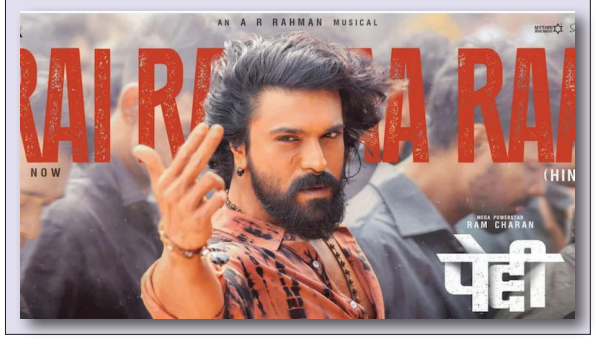

भूत बंगला का ट्रेलर सिनेमाघरों में लेकर आएंगे अक्षय कुमार, निर्माताओं ने बनाई ये योजना

अक्षय कुमार इन दिनों आगामी फिल्म भूत बंगला का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में, इसका पहला गाना रामजी आके भला करेंगे जारी हुआ था जिसे लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। खबर है कि फिल्म का ट्रेलर जारी करने के लिए निर्माताओं ने एक खास योजना बनाई है जिसके तहत भूत बंगला से पहले इसका ट्रेलर सिनेमाघरों का रुख करेगा। बता दें, फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है जो हेराफेरी और भूल-भुलैया जैसी फिल्में बना चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भूत बंगला का ट्रेलर 19 मार्च से सिनेमाघरों में धुरंधर 2 के साथ दिखाया जाएगा। हालांकि, पहले इसे 9 से 18 मार्च के बीच डिजिटल रूप में जारी करने की योजना बनी है। एक सूत्र ने बताया, ट्रेलर का फाइनल वर्जन तैयार है और टीम को इसपर पूरा भरोसा है। हमारा मकसद पहले डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ज़बरदस्त चर्चा पैदा करना है और फिर धुरंधर 2 सिनेमाघरों में देखने आने वाले दर्शकों की संख्या का लाभ उठाना है। सूत्र ने आगे कहा कि धुरंधर 2 के साथ भूत बंगला के ट्रेलर को जोड़ना एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है। उन्होंने कहा, यह सोच-समझकर लिया गया फैसला है। टारगेट दर्शक काफी हद तक एक जैसे हैं, और धुरंधर 2 का विशाल पैमाना इसके लिए एकदम सही मंच प्रदान करता है। सूत्र ने बताया कि इस तरह हॉरर-कॉमेडी फिल्म को बड़े पर्दे पर एक शानदार शुरुआत मिलेगी जो 10 अप्रैल, 2026 को रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

'आश्रम की पम्मी पहलवान लगीं साड़ी में बला की खूबसूरत, अदिति पोहनकर साड़ी में ढाती हैं कहर, ये अदाएं जीत लेंगी दिल

बाबा निराला से पंगा लेने वाली पम्मी पहलवान साड़ी में कहर ढाती हैं. जी हां हम बात कर रहे है आश्रम वेब सीरीज़ की पम्मी पहलवान एक्ट्रेस अदिति पोहनकर की. जो अपनी ग्लैमरस और स्टाइलिश साड़ी लुक्स के लिए जानी जाती हैं. जो अक्सर ट्रेडिशनल और मॉडर्न टच का मेल होती हैं. जिनमें उनके डिज़ाइनर ब्लाउज और अलग-अलग साड़ी स्टाइल बहुत पसंद किए जाते हैं, और उनके ये लुक्स अक्सर सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट साइट्स पर सुर्खियां बटोरते हैं. पम्मी पहलवान का किरदार अदिति पोहनकर निभाती हैं, जो बाबा निराला से लोहा लेती हैं. अपनी मजबूती के साथ-साथ खूबसूरती के लिए भी मशहूर हैं. वह साड़ी में बेहद खूबसूरत लगती हैं और उनके ब्लाउज के डिज़ाइन काफी ट्रेंड करते हैं. उनकी फोटोज और साड़ी लुक्स अक्सर वायरल होते हैं और फैंस उन्हें कॉपी करना पसंद करते हैं.

Priyamvada Kant Calls Hanging Upside Down Her 'New Normal' on Set

DB Reporter

Mumbai : Actor Priyamvada Kant playing Latika in &TV's Supernatural horror comedy show Gharwali Pedwali. She is known for her dedication and fearless approach to performance, recently pushed her boundaries while shooting for an intense upcoming track. The actress has been performing her own stunts, including a challenging sequence where she had to hang upside down in a harness for extended hours. What initially seemed daunting soon turned into an empowering and thrilling experience for her on set.

Sharing her experience, Priyamvada Kant aka Latika says, "On our show I have done quite a few stunts; almost every week we have a new stunt to perform. Some of the craziest ones have been really challenging. One of them was hanging upside down like a bat. That was extremely tough because all the blood rushes to your head for such a long time, and at the same time you have to deliver your lines while being hung by your feet. When I first heard about the sequence that required me to hang upside down in a harness, I was both excited and a little nervous because it's not something you get used to instantly. The first few rehearsals were physically demanding as your body needs time to adjust to the pressure and balance, but I was determined to perform the stunt myself as it adds authenticity to the scene. As actors, we constantly look for experiences that challenge us and help us grow. Doing these stunts on my own has definitely been one of those memorable milestones for me. Overall, the stunts are a lot of fun but also very difficult to perform. We try to make them look easy on screen, but there is a lot of effort and hard work behind every scene."

Missing Sukhoi-30 MKI crashed 60 km from Assam's Jorhat after take-off; search ops under way

New Delhi ,Agency: A Sukhoi Su-30 MKI fighter aircraft of the Indian Air Force (IAF) crashed in Assam's Karbi Anglong area during a training mission, the force confirmed on Thursday late night. In its latest update on X, the IAF said, "The Su-30MKI which was on a training mission, crashed in the area of Karbi Anglong, Assam, approx 60 km from Jorhat. Search operations are under way." Earlier, officials had said the aircraft had lost radar contact after taking off from Jorhat in Assam.

The Su-30MKI which was on a training mission, crashed in the area of Karbi Anglong, Assam, approx 60 km from Jorhat. The Su-30MKI is a two-seater multirole long-range fighter jet developed by Russian aircraft manufacturer Sukhoi. It is now built under licence by Hindustan Aeronautics Limited (HAL) for the IAF. The IAF operates a fleet of over 260 Su-30MKIs.

Gulf conflict: LNG squeeze may impact urea output ahead of kharif season

New Delhi ,Agency: India may face serious disruptions in supply of fertilisers and raw materials in the next kharif season - starting in June - if the blockade of the Strait of Hormuz continues due to the conflict in West Asia, industry insiders said. They added that there is no immediate crisis because it is a lean season.

Any reduction in supply of liquefied natural gas (LNG) to urea manufacturers in the coming weeks could impact production of the key soil nutrient ahead of the kharif planting season, a fertiliser company executive said, adding that they are keeping a close watch on developments. Kharif crops account for more than half of India's food grain production, as major crops such as rice, pulses, oilseeds, cotton, and sugarcane are sown during this season. On average, fertiliser companies produce around 2.5 million tonnes (MT) of soil nutrients per month. If LNG supplies are not normalised, production could be severely affected, industry watchers said, highlighting that production and stocking of fertilisers usually begins from March to ensure smooth distribution. At present, 60% of LNG used in urea manufacturing is imported from Qatar, and India has a long-term agreement in place. Currently, 30 out of 32 urea manufacturing units use natural gas as feedstock.

Industry watchers also said that apart from supply issues, blockade of key shipping routes in the Gulf would push up prices of DAP and urea, which would directly impact the govt's food subsidy expenses.

Two pilots killed after IAF Sukhoi Su-30 crashes in Assam's Karbi Anglong

New Delhi ,Agency: Two pilots were killed after sustaining fatal injuries following the crash of an IAF Su-30MKI jet in Assam's Karbi Anglong district during a training mission.

"IAF acknowledges the loss of Sqn Ldr Anuj and Flt Lt Purvesh Duragkar, who sustained fatal injuries in the Su-30 crash. All personnel of the IAF express sincere condolences and stand firmly with the bereaved family in this time of grief," the Indian Air Force said. Earlier, the IAF had stated that the Su-30MKI, which was on a training mission, crashed in the Karbi Anglong area, approximately 60 km from Jorhat. Officials added that the aircraft had lost radar contact after taking off from Jorhat. The Su-30MKI is a two-seater, multirole, long-range fighter jet developed by Russian aircraft manufacturer Sukhoi and is now built under licence by Hindustan Aeronautics Limited (HAL) for the IAF. The force operates a fleet of over 260 Su-30MKIs.

According to news agency ANI, locals reported hearing a loud explosion and were seen using torches and lights to aid in the search. The crash site is roughly 60 km from Jorhat.

A local resident told ANI, "We heard a loud noise and an explosion. The police from Chowki Wala police station are here, and they are searching from the helicopter. There is no trace of the pilot yet; nothing has been found so far."

Vedanta ESL Archery Academy Empowering Rural Girls in Jharkhand

DB Reporter

Jamtara: In many rural parts of India, lack of coaching facilities, infrastructure and exposure often prevents young talent from reaching its full potential—especially among girls. Social barriers, safety concerns and limited opportunities frequently discourage rural girls from pursuing sports. However, initiatives like the Vedanta ESL Archery Academy in Jharkhand are helping change this narrative by empowering young girls through professional training and opportunities in archery.

According to an analysis of national activity data cited by IndiaSpend, only 0.3 percent of rural women participate in sports, compared to 1.3 percent of men. The gender gap begins at an early age, with reports indicating that by the age of 14, girls are twice as likely as boys to drop out of sports. Cultural norms, limited access to quality training and inadequate facilities are among the key challenges that restrict girls' participation.

The village of Sialjori in Jamtara district is emerging as an inspiring example of how proper support and access to resources can transform potential into achievement. The Vedanta ESL Archery Academy has been actively working to promote gender equality in sports by providing training and opportunities to young athletes from rural communities.The academy maintains a strong focus on equal participation, with girls making up nearly 50 percent of the enrolled athletes. Among them are several medal-winning archers who have represented the district, state and even national platforms with remarkable performances. By providing structured training, modern equipment and competitive exposure, the academy is helping young girls develop confidence, discipline and leadership skills.One inspiring example is 14-year-old archer Kritika Kumari, who joined the academy in 2022 with a strong determination to learn the sport. With regular coaching, practice sessions and mentorship over the past two years, she has significantly improved her skills and focus. Her dedication soon translated into success on the national stage.In 2024, Kritika won a silver medal at the National School Games, and in 2025 she secured a gold medal at the NTPC Cherukuri Lenin Volga Memorial National Archery Championship. Her achievements have made her one of the promising young archers emerging from Jharkhand.Coaches associated with the academy believe that early access to disciplined training is crucial, particularly for rural girls who often face limited opportunities.

When 7 rays hit cinemas in land of rising sun

New Delhi ,Agency: All seats look taken in a medium-sized Tokyo theatre on an Aug evening in the Japanese summer. The audience listens rapt to a woman sitting on stage, framed by the movie screen behind her. Clearly, it's not just another screening, but then, neither can the topic be called usual for this part of the world. For the woman on stage is discussing Rabindrasangeet, and the context is 'Charulata', maestro and auteur Satyajit Ray's 1964 masterpiece, one of the seven films that were shown last year in Japan as part of a retrospective of his works.

The lineup - featuring 'Jalsaghar' (1958), 'Mahanagar' (1963), 'Charulata' (1964), 'Kapurush', 'Mahapurush' (both 1965), 'Nayak' (1966), and 'Jai Baba Felunath (1979) - earning their first theatrical release in Japan, spans a two-decade arc of some of Ray's most memorable films. The films were also made available on VOD and home video with Japanese subtitles. The demand has grown to the point that these films are set for a Blu-ray release in March.

To Sandip Ray, filmmaker and Ray's son, however, none of this is surprising. After all, it was the Japanese film great Akira Kurosawa who'd said, "Not to have seen the cinema of Satyajit Ray means existing in the world without seeing the sun or the moon."

India's 'moist heatwaves' getting worse, says study

Pune, Agency: India's summer heatwaves - the humid, suffocating kind that impact more than dry heat - are not just getting more frequent, but also more intense through a now-identified specific atmospheric chain reaction. A Jan 2026 study by scientists from IMD and Indian Institute of Tropical Meteorology (IITM) Pune, published in the Journal of the Atmospheric Sciences, is the first to explain the precise mechanism behind these "moist heatwaves" and the findings have direct implications for early warning, public health, and climate preparedness.

IITM scientist Rajib Chattopadhyay told TOI that their earlier study identified two types of Indian summer heatwaves and classified them as dry and moist. "The dry variety, which mainly scorches the northwest plains, is not showing an

increasing trend. But the moist variety, in which high humidity compounds with high temperature to make the body's cooling system fail, shows a statistically significant and accelerating trend. The current study provides a hint towards the mechanism which can intensify moist heatwaves over India," he said.

Scientists traced the trigger to Rossby atmospheric wave patterns originating near Europe's west coast.

UP urban transition after 2017 - A shift to non-agricultural economy

New Delhi ,Agency: Over the last eight years, Uttar Pradesh has undergone a structural metamorphosis. Historically viewed through its agrarian roots, the state is rapidly pivoting toward an urban-centric economy. Between 2011 and 2021, the shift from agricultural to non-agricultural employment grew at a rate of 7% per decade, outstripping the 5% growth seen in previous decades. This shift is the backbone of a new, diversified economic era for India's most populous state.

A foundation of governance and funding: The state's strategy began with expanding the reach of local governance. Since 2017, 117 new Urban Local Bodies (ULBs) were established and 123 were expanded to accommodate a surging urban population. This administrative expansion was backed by a massive fiscal commitment: the budget allocation for urban development saw a staggering 287% increase between 2016 and 2025.

Funding via the State and Central finance commissions has also scaled dramatically:

State Finance Commission (SFC): Increased from Rs 6,406.09 crore in 2016-17 to Rs 14,400 crore in 2024-25.

Central Finance Commission (CFC): Increased from Rs 1,667.22 crore to Rs 5,118 crore in the same period.

Cleanliness as a culture: The Swachh Bharat revolution The most visible change has been in sanitation and waste management. Uttar Pradesh has moved from a state of "planning" to one of "execution."

Rajya Sabha polls: Political tie-ups against NDA face acid test in Bihar, Odisha

New Delhi, Agency: As the nomination process for Rajya Sabha elections spread across 10 states ended on Thursday, moves for new political alignments, including a rare BJD-Congress tie-up in Odisha and unity of BJP's rivals in Bihar, are up for a stern test, while developments in Maharashtra signalled that attempts for the merger of the two NCP factions have come to naught.

While candidates in most states are set to be elected unopposed, both Bihar and Odisha are headed for a keen battle on March 16.

RJD's decision to renominate its outgoing MP and businessman A D Singh has forced a contest in one of the five seats in Bihar. He can even pull it off if all of BJP's rivals, including 5 AIMIM MLAs and the lone

BSP MLA, join hands with the RJD-Congress-Left combine.

Yet, the NDA camp, which will have 38 votes to spare for the fifth seat after allocating the necessary 41 votes each to ensure its win on four seats, is sanguine about its prospects in the belief that a contest will only end up exposing divisions in the opposition's ranks and even force some defections.

Unity among all opposition parties will get Singh 41 votes, but AIMIM, which was snubbed by the RJD-led alliance on its suggestion for a tie-up during last year's polls, is yet to spell out its stand.

temperature in Odisha, another state where a contest is on the cards, has gone up a notch after Congress decided to back BJD's choice of an eminent doctor, Datteswar Hota, and BJP then announced its support for former Union minister Dilip Ray, a well-networked hotelier contesting as an independent candidate.

Archrivals for decades, BJP's swift ascendancy in the state has brought BJD and Congress together; both parties can pull together 32 MLAs to ensure Hota's win against the requisite backing of 30.

However, instances of discontent within the two parties have muddied the waters. BJP has a history of outmanoeuvreing its rivals in closely contested RS seats, and its decision to back Ray is driven by its instinct to play on their internal differences to spring a surprise. With all three MVA parties backing Sharad Pawar's renomination for the lone seat they could win of the seven on offer, claims of his supporters about an "imminent merger" between the two NCP factions should pause. A senior Sena UBT functionary said they have been told there is little possibility of the two factions coming together, as the group headed by Ajit Pawar's wife, Sunetra Pawar, never warmed up to Sharad Pawar's desire - marking a reversal of his public "I have had enough" stance - to do another term in RS .

Parth Pawar, the son of Ajit Pawar who is set to be elected unopposed, will be arrayed against his grand uncle as a member of NDA. In the elections to 37 Rajya Sabha seats, the BJP-led NDA has continued with its push to expand its social coalition by reaching out to different sections of society, illustrated by their nominees from Maharashtra.